प्रयागराज, रविवार 31 अगस्त 2025 से 06 सितम्बर 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-35
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण 13

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

जापान में मोदी ने बुलेट ट्रेन देखी,भारतीय ड्राइवरों से मिले, पीएम इशिबा के साथ नए ई10 में सफर किया,एससीओ समिट के लिए चीन रवाना

टोक्यो। पीएम मोदी शनिवार को जापान दौरे के दूसरे दिन एडवांस बुलेट

ट्रेन ई10 देखने मियागी प्रांत के सेंडाई पहुंचे। यहां उनके साथ जापान के पीएम शिगेरू इशिबा भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने ट्रेन में सफर भी किया। इस दौरान उन्होंने भारत के ट्रेन ड्राइवरों से मुलाकात भी की। इन्हें जापान का ईस्टर्न रेलवे ट्रेनिंग दे रहा है। ये भारत में चलने वाली बुलेट ट्रेनों को चलाएंगे। सेंडाई पहुंचने पर स्थानीय लोगों और भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत किया। लोग हाथों में झंडे लेकर 'जापान में आपका स्वागत है, मोदी सैन!' के नारे लगा रहे थे। इससे पहले मोदी ने शुक्रवार को 15वें भारत-जापान समिट में हिस्सा लिया। इस दौरान दोनों देशों में 150 समझौते हुए। जापानी पीएम ने भारत में अगले 10 साल में 6 लाख करोड़ रुपए निवेश की बात कही। जापान के बाद मोदी अब चीन के दौरे पर रवाना हो गए हैं। वे रविवार को एससीओ समिट में शामिल होंगे। इसके अलावा मोदी चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे। खबर लिखे जाने तक पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि लोगों को फायदा पहुंचाने वाले नतीजों के लिए ये दौरा याद रखा जाएगा। उन्होंने गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए जापान की जनता और प्रधानमंत्री इशिबा का धन्यवाद दिया। मोदी ने सेंडाई में सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली फैक्ट्री टोक्यो इलेक्ट्रॉन लिमिटेड का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा भी थे।मोदी ने जापान के कई अहम लोगों से मुलाकात की। इसमें राजनीति, उद्योग, टेक्नोलॉजी और शिक्षा जगत के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें मियागी प्रान्त के गवर्नर मुराई, जेआर ईस्ट (जापान रेलवे ईस्ट कंपनी) के चेयरमैन फुकाजावा, टोक्यो इलेक्ट्रॉन (जापान की बड़ी टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर कंपनी) के प्रेसिडेंट कावाई और तोहोकू यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट तोमुनागा थे। यह ट्रेन 2030 तक बनकर तैयार हो जाएगी। इसकी टॉप स्पीड 400 किमी/घंटा होगी। जापान और भारत इस एडवांस बुलेट ट्रेन को एक साथ पटरी पर उतारने की तैयारी में हैं। भारत में इन्हें मुंबई से अहमदाबाद के बीच बन रहे हाई स्पीड रेड कॉरिडोर पर चलाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक जापान सरकार भारत को 2 बुलेट ट्रेन (ई3 और ई5) भी गिफ्ट करेगी।बुलेट ट्रेन फैक्ट्री के बाद मोदी सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा करेंगे। यह सेमीकंडक्टर प्लांट ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन , जापान की एसबीआई होल्डिंग्स और बाकी जापानी कंपनियों की पार्टनरशिप से बनाया जा रहा है। इसका नाम जापान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है।मोदी ने आज सुबह टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के गवर्नरों से मुलाकात की। इसमें भारत-जापान के बीच राज्य-प्रांत साझेदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि राज्य-प्रांत साझेदारी पहल के तहत प्रौद्योगिकी, नवाचार, निवेश, कौशल, स्टार्टअप्स और एसएमईएस में सहयोग पर चर्चा हुई।भारत बुलेट ट्रेन के लिए मुंबई और अहमदाबाद के बीच देश का पहला हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बना रहा है। इस प्रोजेक्ट में जापान, भारत की मदद कर रहा है। 2017 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे और मोदी ने

अहमदाबाद से इस प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। इसकी कुल लागत 1.08 लाख करोड़ रुपए है।मुंबई-अहमदाबाद रूट पर बुलेट ट्रेन की अधिकतम स्पीड 350 किमी/घंटा होगी। दोनों शहरों के बीच 508 किमी की दूरी है, जो करीब 3 घंटे में पूरी होगी। फिलहाल इस दूरी को तय करने में 5 से 8 घंटे लग जाते हैं।

टैरिफ विवाद पर राजनाथ बोले-कोई परमानेंट दोस्त या दुश्मन नहीं,परमानेंट इंटरेस्ट होता है-भारत किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को अमेरिकी टैरिफ

पर विवाद के बीच कहा कि कोई भी देश परमानेंट दोस्त या दुश्मन नहीं हैं। हमारे लिए सिर्फ परमानेंट इंटरेस्ट जरूरी होता है। उन्होंने भारत की विदेश और रक्षा नीति के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि दुनिया में ट्रेड वॉर जैसे हालात हैं। विकसित देश तेजी से संरक्षणवादी हो रहे हैं। भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता, लेकिन हम राष्ट्रीय हित और लोगों के हितों से समझौता नहीं करेंगे। सिंह ने कहा- 'हमारे लिए अपने लोगों का, किसानों का, छोटे व्यापारियों का, देशवासियों का हित सबसे ऊपर है। चाहे कितना भी दबाव डाला जाए, लेकिन भारत किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा।' रक्षा मंत्री ने डिफेंस सेक्टर में भारत की आत्मनिर्भरता की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया भारत की रक्षा क्षमताओं की गवाह है। जिस तरह से हमारी सेनाओं ने स्वदेशी उपकरणों के साथ पाकिस्तान पर सटीक हमले किए, उससे पता चलता है कि कोई भी मिशन बिना दूरदर्शिता और तैयारी के सफल नहीं हो सकता। रक्षा मंत्री ने आंतरिक सैन्य विकास में बढ़ोतरी, हथियारों और हथियार प्रणालियों के निर्यात से होने वाले राजस्व का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 2014 में हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट 700 करोड़ रुपए से कम था। आज यह बढ़कर लगभग 24 हजार करोड़ रुपए हो गया है, जो एक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल खरीदार नहीं रहा बल्कि निर्यातक बन रहा है। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत के सटीक हमलों के तीन महीने बाद वायुसेना उप प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर के नए वीडियो और जानकारी साझा की। एनडीटीवी डिफेंस समिट में बोलते हुए एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान को युद्धविराम की मेज पर लाने के लिए भारतीय वायुसेना ने 50 से भी कम हथियार दागे। उन्होंने कहा, 'युद्ध शुरू करना बहुत आसान है, लेकिन उसे खत्म करना उतना आसान नहीं है और यह एक महत्वपूर्ण बात थी, जिसे ध्यान में रखना जरूरी था, ताकि हमारी सेनाएं सक्रिय रहें, तैनात रहें और किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयार रहें।'

मेलोनी की तस्वीर के साथ छेड़छाड़

नयी दिल्ली। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल हुई हैं, जिन्हें देखकर इटली के

लोगों में काफी आक्रोश है।उनकी बहन एरियाना समेत इटली की कई महिलाओं की आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड हुई हैं, जिन्हें आपत्तिजनक और लैंगिक भेदभाव से भरा कैप्शन भी दिया गया है, पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। बता दें कि तस्वीरें रैलियों, इंटरव्यू और छुट्टियां मनाने के दौरान की हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'फिका' पर अपलोड हुई हैं, जिसके 700000 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं, लेकिन वेबसाइट पर आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री मेलोनी, उनकी बहन और अन्य महिलाओं की तस्वीरें उनके पर्सनल सोशल मीडिया अकाउंट से चुराकर छेड़छाड़ करके और एडिट करके वेबसाइट के वीआईपी सेक्शन के तहत अपलोड करके वायरल की गई हैं।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैर-कानूनी बताया,ट्रम्प बोले- टैरिफ हटे तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी

बताया है। कोर्ट का कहना है कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया है, ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। ट्रम्प ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर ये टैरिफ हटे, तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा। ट्रम्प ने चीन, कनाडा, मेक्सिको जैसे देशों पर व्यापार घाटे और अन्य कारणों से टैरिफ लगाए थे। उन्होंने तर्क दिया था कि अमेरिका का व्यापार घाटा ही राष्ट्रीय आपातकाल है। ट्रम्प ने इन कानूनों को अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत सही ठहराया था। उनका कहना था कि व्यापार असंतुलन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए उन्होंने व्यापार पर 'नेशनल इमरजेंसी' घोषित कर टैरिफ लगाए। अब कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया और कहा कि शुल्क लगाना राष्ट्रपति के अधिकार में नहीं आता, यह शक्ति केवल संसद के पास है। 7-4 के बहुमत से दिए गए इस फैसले में अदालत ने साफ लिखा कि 1977 में जब कांग्रेस ने आईईईपीए कानून बनाया था, तब उसका मकसद राष्ट्रपति को बिना सीमा के शुल्क लगाने की ताकत देना नहीं था।यह फैसला छोटे व्यवसायों और अमेरिकी राज्यों के गठबंधन द्वारा दायर मुकदमों पर आया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प 150 दिनों तक 15फीसदी टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन इसके लिए ठोस कारण चाहिए। फैसले में कहा गया कि आईईईपीए में 'टैरिफ' शब्द का कहीं जिक्र नहीं है और न ही इसमें राष्ट्रपति के अधिकारों पर कोई स्पष्ट सीमा तय की गई है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब संसद चाहती है कि राष्ट्रपति को शुल्क लगाने का अधिकार दिया जाए, तो वह इसे कानून में साफ-साफ लिखती है।

धनखड़ ने विधायक पद की पेंशन का आवेदन किया,राज्यपाल बनने के बाद 2019 में बंद हो गई थी,अब 3 पेंशन बनेगी

जयपुर। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब पूर्व विधायक के नाते मिलने वाली पेंशन के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में फिर से आवेदन किया है। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। पूर्व विधायक के तौर पर उन्हें जुलाई 2019 तक पेंशन मिल रही थी। जुलाई 2019 में पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद पेंशन बंद हो गई थी। अब उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद उन्होंने पूर्व विधायक के नाते फिर से आवेदन किया है। धनखड़ ने 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। विधानसभा सचिवालय ने धनखड़ की पेंशन आवेदन पर प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्हें उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा मंजूर होने की तारीख से पूर्व विधायक की पेंशन मिलनी शुरू होगी।विधायक का कार्यकाल पूरा होते ही पूर्व विधायक की पेंशन चालू हो जाती है। पूर्व विधायक अगर किसी भी सरकारी पद पर मनोनीत हो जाते हैं या मंत्री बन जाते हैं तो विधानसभा सचिवालय को इसकी तय फॉर्मेट में सूचना दी जाती है। इसके बाद पेंशन बंद हो जाती है। सरकारी पद से कार्यकाल पूरा होने के बाद विधानसभा सचिवालय को तय फॉर्मेट में आवेदन कर सूचना देनी होती है। इसके बाद पेंशन फिर शुरू हो जाती है। जगदीप धनखड़ ने भी उसी प्रक्रिया के तहत आवेदन किया है।जगदीप धनखड़ को तीन तरह (पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक) की पेंशन मिलेगी। पूर्व राज्यपाल को पेंशन नहीं मिलती है। इसलिए धनखड़ को भी पूर्व राज्यपाल की हैसियत से पेंशन नहीं मिलेगी।पूर्व विधायक को 35 हजार रुपए महीना पेंशन मिलती है। पेंशन हर टर्म के हिसाब से बढ़ती रहती है। पांच साल के बाद जो जितनी बार विधायक रहा है, उसे 5 साल बाद के हर टर्म में प्रतिमाह 1600 रुपए जोड़ते हुए अतिरिक्त पेंशन मिलती है। एक बार के विधायक को 35 हजार, दो बार के विधायक को 42 हजार, तीन बार के विधायक को 50 हजार रुपए की पेंशन मिलती है। अगर पूर्व विधायक ने 70 साल की उम्र पार की ली हो तो पेंशन में 20 प्रतिशत इजाफा होता है। धनखड़ को पूर्व विधायक के तौर पर 42 हजार रुपए की पेंशन मिलेगी- धनखड़ एक बार विधायक रहे हैं। उनकी उम्र 75 साल है। ऐसे में उन्हें 20 प्रतिशत ज्यादा पेंशन मिलेगी। उन्हें 35 हजार प्रतिमाह में 20 फीसदी जोड़कर पेंशन मिलेगी। यह पेंशन 42 हजार रुपए होती है। धनखड़ को तीन पेंशन ?में हर महीने करीब 2.73 लाख मिलेंगे। धनखड़ को पूर्व उपराष्ट्रपति के तौर पर करीब 2 लाख रुपए महीने की पेंशन मिलेगी। पूर्व विधायक के तौर पर 42 हजार रुपए और पूर्व सांसद के तौर पर 31 हजार रुपए हर महीने की पेंशन मिलेगी। इस तरह तीनों पेंशन मिलाकर उन्हें 2 लाख 73 हजार रुपए हर महीने मिलेंगे।

आसाराम 235 दिन बाद फिर जेल में,जोधपुर में सरेंडर किया, जनवरी में जमानत मिली थी, रेप के केस में उम्रकैद काट रहा

जोधपुर। नाबालिग से रेप के मामले में सजा काट रहे आसाराम ने 30 अगस्त को जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंडर कर

दिया है। राजस्थान हाईकोर्ट ने 27 अगस्त की सुनवाई में उसकी अंतरिम जमानत आगे बढ़ाने से मना कर दिया था। जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने फैसले में कहा था कि मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार आसाराम की तबीयत स्थिर है। उसे हॉस्पिटल में भर्ती होने या लगातार चिकित्सा देखभाल की जरूरत नहीं है। आसाराम को 7 जनवरी 2025 में 12 साल के बाद पहली बार जमानत मिली थी।अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल में मेडिकल बोर्ड की ओर से दी गई रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि आसाराम ने पिछले 3-4 महीनों में इलाज के लिए कई यात्राएं की हैं। उसने कई शहरों में अलग-अलग हॉस्पिटल में इलाज भी कराया है, लेकिन किसी भी हॉस्पिटल में नियमित फॉलोअप नहीं कराया है। 27 अगस्त की सुनवाई में आसाराम के वकील निशांत बोड़ा ने कहा था कि- 21 अगस्त को आसाराम को एम्स जोधपुर ले जाया गया था। वहां के डॉक्टरों ने उनकी बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बारे में एक रिपोर्ट दी है। हालांकि, कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया।18 अगस्त को हुई थी मेडिकल जांच कोर्ट के निर्देशानुसार- अहमदाबाद के सिविल अस्पताल के सक्षम अधिकारी ने आसाराम की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया था। इसमें 6 डॉक्टर्स शामिल थे। 18 अगस्त को उसकी जांच हुई थी। बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया था कि- उन्होंने कई बार सलाह ली है और मुख्यतः एम्स जोधपुर में ओपीडी और इनडोर इलाज लिया है। पिछले 3-4 महीनों में उन्होंने कई यात्रा की हैं। अहमदाबाद, इंदौर, जोधपुर, जयपुर, ऋषिकेश आदि कई शहरों के एलोपैथिक और आयुर्वेदिक हॉस्पिटलों से सलाह ली है। लगभग सभी प्रस्तुत दस्तावेजों में उनकी स्थिति स्थिर दिखाई दे रही है। 11 साल बाद बेटे से भी मिला था आसाराम-करीब साढ़े सात महीने की जमानत के दौरान आसाराम 11 साल में पहली बार अपने बेटे नारायण साईं से भी मिला था।

ह्यूमन जीपीएस नाम से मशहूर आतंकी बागू खान मारा गया,25 सालों में 100 से ज्यादा घुसपैठ की कोशिश कराईं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलों ने

ह्यूमन जीपीएस के नाम से मशहूर आतंकी बागू खान को मार गिराया है। बागू खान को समंदर चाचा के नाम से भी जाना जाता था। वह सुरक्षा एजेंसियों की लिस्ट में हिजबुल मुजाहिदीन का मोस्ट वांटेड आतंकी था।सूत्रों के अनुसार, बागू खान 1995 से पाक अधिकृत कश्मीर में रह रहा था। वह 25 सालों से सीमा पार आतंकवाद में एक्टिव था और घुसपैठ के सबसे पुराने मददगारों में से एक था। वह 100 से ज्यादा घुसपैठ की घटनाओं में शामिल था। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की 28 अगस्त को बागू खान के साथ गुरेज सेक्टर के नौशेरा नार इलाके में घुसपैठ की कोशिश के दौरान मुठभेड़ हुई थी। इसमें वह अपने एक साथी के साथ मारा गया। दूसरे आतंकी की पहचान नहीं हुई है। हालांकि, दोनों के शव बरामद हो गए हैं। भारतीय सेना ने एक्स पर बताया था कि उन्हें आर्तकियों के घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके आधार पर, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए। इससे पहले 2 अगस्त को जम्मू-कश्मीर में कुलगाम जिले के अखल देवसर इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। सेना ने आतंकियों के खिलाफ 1 अगस्त को ऑपरेशन अखल शुरू किया था, जो 12 दिनों तक चला था। इसमें दो जवान भी शहीद हुए थे। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद, जम्मू-कश्मीर में 7 अलग-अलग मुठभेड़ों में अब तक 23 आतंकवादी मारे गए हैं। आज मारे गए दो आतंकियों की पहचान सामने नहीं आई है। अन्य 21 में से बारह आतंकी पाकिस्तानी नागरिक थे, जबकि नौ स्थानीय थे।

इमाम एसोसिएशन बोला- देश संविधान से चलेगा गीता-कुरान से नहीं,भागवत का भारत को हिंदू राष्ट्र कहना हमारा अपमान,पर्सनल लॉ खत्म नहीं होने देंगे

नयी दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के भारत को हिंदू राष्ट्र बताने वाले बयान पर ऑल

इंडिया इमाम एसोसिएशन ने आपत्ति जताई है। इस संस्था के अध्यक्ष मौलाना साजिद राशिदी ने शनिवार को कहा, 'भारत संविधान और कानून से चलेगा। गीता या कुरान से नहीं।' भागवत ने पिछले एक हफ्ते में तीन से ज्यादा बार भारत को हिंदू राष्ट्र कहा। इस पर राशिदी ने कहा कि बार-बार हिंदू राष्ट्र का जिक्र करना बाकी धर्मों का अपमान है। आप कहते हैं कि पूरे देश में सबके लिए एक जैसा कानून होना चाहिए, ऐसे कानून पहले से मौजूद हैं। हम भारत में मुसलमानों, बौद्धों और सिखों के पर्सनल लॉ खत्म नहीं होने देंगे। 26 अगस्तः भागवत बोले- 40 हजार साल से अखंड भारत का डीएनए एक आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आरएसएस शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में कहा, 'हिंदू राष्ट्र का मतलब किसी को बाहर करना नहीं है। इसका मतलब किसी का विरोध करना भी नहीं है। यह सांस्कृतिक एकता की बात है। हम सब, चाहे किसी भी धर्म के हों, एक ही पूर्वजों के वंशज हैं। पिछले 40,000 वर्षों से हमारा डीएनए एक जैसा है।

भाजपा नेता को नैनीताल में पत्नी से संबंध बनाते देखा था,प्रयागराज में हत्या करके पटरी पर रखा शव-आरोपी का कबूलनामा

प्रयागराज। बीजेपी नेता रणधीर यादव की किडनैपिंग और हत्या की कहानी दिल दहला देने वाली है। डॉ. उदय यादव को शक था कि उसकी

बीवी अंजली से रणधीर का अफेयर है। इसलिए 2 महीने पहले नैनीताल घूमने का प्लान बनाया। वहां होटल में तीनों के लिए 1 ही रूम बुक करवाया था। हत्या में शामिल राम सिंह के मुताबिक, वहीं पर उदय ने अपनी पत्नी के साथ रणधीर को संबंध बनाते देख लिया था। इसके बाद डॉ. उदय ने तय कर लिया था कि रणधीर को मार देंगे।मगर उससे पहले 11 जुलाई, 2025 को उसकी बीवी की घर में लाश मिली। आशंका है कि डॉ. उदय ने पहला कत्ल अपनी बीवी का किया था। मगर, उस वक्त पुलिस के इन्वॉल्व होने से पहले बॉडी का दाह संस्कार करके मामला रफा-दफा कर दिया। अब पुलिस अंजली की मौत को मर्डर केस मानते हुए नए सिरे से जांच शुरू करने जा रही है। रणधीर के मर्डर केस में पुलिस ने राम सिंह को पकड़ा है। कस्टडी में कत्ल की जो कहानी सामने आई है, वो होश उड़ाने वाली है।22 अगस्त की शाम को करीब 5.30 बजे रणधीर को बुलाया था। पुलिस ने पूछा- रणधीर को क्या कहकर बुलाया था? राम सिंह ने कहा- हम लोगों ने कहा था कि चित्रकूट चलकर पार्टी करनी है। उदय का चचेरा भाई विजय दूसरी स्कॉर्पियो से उसी रूट पर पीछे चलता रहा। स्कॉर्पियो में शराब पीने का दौर शुरू हुआ। जानबूझकर उदय रणधीर को जल्दी जल्दी पैक बनाकर देते रहे। राम सिंह ने कहा- ऐसे में उदय ने प्लान बदला और उसके सिर पर एक रॉड से वार कर दिया। चूंकि गाड़ी प्रयागराज कौशांबी रूट पर अंधेरे में चल रही थी, ऐसे में सबने मिलकर रणधीर को पकड़ लिया। मैं और उदय रणधीर का गला घोंटने लगे, 2 मिनट तड़पने के बाद उसकी बॉडी शांत हो गई। रणधीर की लाश को पीछे की सीट पर डाल स्कॉर्पियो मैं चलाने लगा। फिर ये लोग पूरामुफ्ती इलाके में पड़ने वाली बमरौली रेलवे स्टेशन के आउटर पर पहुंच गए। गाड़ी को पटरी के बगल में लगाकर लाश को बाहर निकाला।सूबेदारगंज स्टेशन जाने वाली रेलवे पटरी पर लाश रख दी और वहीं बैठकर ट्रेन आने का इंतजार करने लगे। हम चाहते थे कि लाश के चिथड़े उड़ जाएं। पटरी पर लाश यूं रखी कि गर्दन, हाथ, पैर और धड़ सब अलग हो जाएं। सिर तक चकनाचूर हो ताकि पहचान ही मिट जाए। इतने से भी उदय का दिल नहीं भरा।शरीर का धड़ जो सबसे बड़ा हिस्सा दिख रहा था, उसे और कुछ और लाश के टुकड़ों को फिर से पटरी पर लाकर रखा। ताकि दूसरी ट्रेनों के गुजरने पर लाश पूरी तरह से मिट ही जाए।

आयुष्मान और सारा अली खान की फिल्म शूटिंग में बवाल,एक आरोपी गिरफ्तार भेजा जेल

प्रयागराज। संगम नगरी में शुक्रवार को बॉलीवुड फिल्म 'पति, पत्नी और वो 2' की शूटिंग के दौरान हंगामा हो गया। सिविल

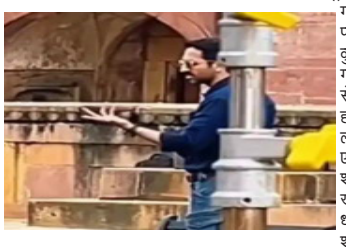

लाइंस थाना क्षेत्र स्थित पत्थर गिरजाघर के पास चल रही शूटिंग में अचानक अफरा-तफरी मच गई जब भीड़ में मौजूद कुछ युवकों ने फिल्म यूनिट के क्रू मेंबर के साथ मारपीट कर दी। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। शूटिंग के दौरान दोनों कलाकारों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए। भीड़ को नियंत्रित करने और सेट की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क की एक लेन को बंद कर दिया गया था। इससे इलाके में लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। जाम से परेशान होकर कुछ युवक भड़क गए और गुस्से में सेट पर पहुंचकर हंगामा करने लगे।इसी दौरान एक युवक ने शूटिंग ट्रॉली पर खड़े क्रू मेंबर से धक्का-मुक्की शुरू कर दी और मारपीट करने लगा। एडीसीपी अभिजीत कुमार ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मिराज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, एक अन्य युवक का शांतिभंग में चालान किया गया है। पुलिस का कहना है कि फिल्म की शूटिंग में बाधा डालना गंभीर अपराध है और आगे ऐसी हरकत करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शूटिंग के लिए स्कूल बंद, सड़क पर भटकते रहे बच्चे

प्रयागराज। शहर में चली शूटिंग से रोज ही कुछ न कुछ हो रहा अभी

शूशन में क्रू-मेंबर मारामारी का मामला ख़त्म भी माहि हुआ था की नया मामला सामने आ गया. सारा अली खान और आयुष्मान खुराना की फिल्म पति, पत्नी और वो की शूटिंग के लिए अचानक से सीएवी इंटर कॉलेज को छात्र-छात्राओं को बिना बताए बंद कर दिया गया। सुबह बच्चे जब स्कूल पहुंचे तो गेट से ही यह कहते हुए लौटा दिया गया कि स्कूल में शूटिंग हो रही है। देखते ही देखते दर्जनों बच्चों की भीड़ इकट्ठा हो गई। अभिभावकों का कहना था कि स्कूल में फिल्म शूटिंग का निर्णय दो-तीन पहले ही हो गया होगा। ऐसे में बच्चों के पहले ही स्कूल बंदी की सूचना दे दी जाती तो बेवजह परेशान नहीं होते। हालांकि स्कूल के प्रधानाचार्य केके प्रसाद का कहना है कि शूटिंग पीछे के हिस्से में हो रही है।पहले सोचा गया कि कक्षाएं चल जाएंगी। शुक्रवार को भी शूटिंग हुई थी तो कोई अड़चन नहीं आई थी। लेकिन शनिवार को बच्चों ने ज्यादा हंगामा किया तो स्कूल की छुट्टी करनी पड़ी।

थाना कैंट की पीस कमेटी की बैठक आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राजापुर पुलिस

चौकी में थाना कैंट की पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी सिविल लाइंस कृतिका शुक्ला ने की। इस दौरान थाना कैंट इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने सभी पीस कमेटी सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में सीओ कृतिका शुक्ला ने दधिकांदो मेले की समिति से उनकी समस्याओं को सुना और आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही आगामी बड़ा वफ़ात जुलूस के संबंध में वहां मौजूद लोगों से जानकारी प्राप्त की गई और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सहयोग की अपील की गई। इस अवसर पर राजापुर चौकी इंचार्ज निखिल यादव, भूपेंद्र यादव, एसएसआई सुरेंद्र यादव सहित थाना कैंट पीस कमेटी के सदस्य मोहम्मद साबिर , अहमद अली पार्षद, भास्कर पटेल पार्षद, इम्तियाज़ अहमद आदि लोग उपस्थित रहे।

यूपी स्टेट इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं अन्य उद्योगपतियों ने किया घुम्मा औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण, जिला पंचायत सदस्य के.डी. शुक्ला एवं जे.पी. तिवारी ने किया भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) त्योंथर (रीवा)। उत्तर प्रदेश स्टेट

यूपीएसआईए टीम द्वारा घुम्मा औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण

इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित अन्य प्रमुख उद्योगपतियों का

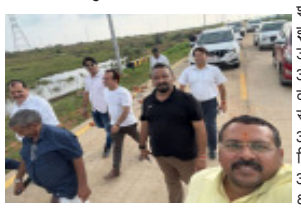

एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मध्य प्रदेश के रीवा जिले स्थित घुम्माऔद्योगिक क्षेत्र के निरीक्षण हेतु पुनः दौरे पर पहुंचा। इस दौरान उनका स्वागत जे.पी. तिवारी एवं जिला पंचायत सदस्य के.डी. शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर उद्योगपतियों ने औद्योगिक क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, संभावनाएं एवं निवेश के अवसरों का जायज़ा लिया। एसोसिएशन अध्यक्ष ने कहा कि रीवा क्षेत्र विशेषकर त्योंथर में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। यदि आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो यहां बड़े स्तर पर निवेश किया जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, सड़क, बिजली, जल आपूर्ति तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया। जिला पंचायत सदस्य श्री के.डी. शुक्ला ने उन्हें क्षेत्र की विशेषताओं एवं प्रशासन की सहयोगात्मक नीति की जानकारी दी।समारोह के अंत में जे.पी. तिवारी ने अतिथियों आगमन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर स्थानीय उद्यमी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पुलिस ने चोरी की 06 मोटरसाइकिलों के साथ तीन चोरों को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के द्वारा जनपद सोनभद्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व चोरी की घटनाओं का शीघ्र अनावरण व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक-28/29.08.2025 की रात्रि को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की टीम ने मुखबिर की सूचना पर चुर्क जाने वाले मार्ग के बगल में बने एक टीनशेड से 06 अदद मोटरसाइकिलों के साथ 03 चोरों को गिरफ्तार किया गया । इस सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0-896/2025 धारा 317(2), 317(3), 317(4), 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। संक्षिप्त विवरण- अवगत कराना है कि दिनांक-28/29.08.2025 की रात्रि में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा रात्रि गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी कि इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना दी गयी कि चार से पांच लोग चुर्क जाने वाले रोड के बगल में घसिया बस्ती के पास एक टीनशेड में चोरी की मोटरसाइकिलें छिपाकर रखे हैं । किसी पिकप से लादकर बिहार बेचने हेतु ले जाने वाले है । इस सूचना पर थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस की टीम द्वारा पुलिस लाइन जाने वाले मार्ग पर एक झोपड़ी के पास पहुंचे तो वहां खड़े संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने का प्रयास किया गया तो रात के अंधेरे का फायदा उठाकर दो व्यक्ति मौके से फरार हो गये एवं तीन व्यक्तियों को टीनशेड के अन्दर रखे चोरी की 06 मोटरसाइकिल के साथ पकड़ लिया गया। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि यह जो मोटरसाइकिल है, हमलोगों ने भिन्न भिन्न जगहों से चुराकर इस टीनशेड में छिपाकर रखे थे तथा जिसे पिकअप में लादकर बिहार ले जाकर नम्बर प्लेट बदलकर कम दामों में बेच देते है । और जो लोग भाग गये उनका नाम राहुल पुत्र अज्ञात निवास बभनौली तेन्दु थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र व दुसरा चिरंजीव उर्फ आर्यन पुत्र रामचन्द्र निवासी बराक थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र है जिनके द्वारा बिहार में ग्राहकों को सेट करके औने पौने दामों में बेचा जाता है जो पैसा बेचने से मिलता है उसे आपस में हम सभी लोग बाटकर अपना अपना जिविकोपार्जन करते है। अभियुक्तगण का विवरणः- 1.सत्यम चौबे पुत्र विपिन चौबे निवासी लखनवार खुर्द थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 20 वर्ष । 2.दिलीप यादव पुत्र रामसूरत यादव निवासी लखनवार खुर्द थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 20 वर्ष। 3.देवराज चौबे उर्फ राज चौबे पुत्र स्व0 सुबास चौबे निवासी मझिगाँव चौबे थाना रा0गजं जनपद सोनभद्र उम्र करीब 18 वर्ष। वांछित अभियुक्तगण का विवरण- 1.राहुल पुत्र अज्ञात निवास बभनौली तेन्दु थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र। 2.चिरंजीव उर्फ आर्यन पुत्र रामचन्द्र निवासी बराक थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र। बरामदगीः- 1.दो अदद आपाची मोटरसाइकिल नम्बर यूपी-65 ईएम 2415, यूपी-65 ईई 7330, 2.एक अदद स्प्लेण्डर प्रो वाहन सं0 यूपी 65 बीए 0975।3.एक हिरो एचएफ डिलक्स नम्बर यूपी 63 बीबी 0573। 4.एक पल्सर मोटरसाइकिल नम्बर यूपी 64 एआर 6773। 5.एक होण्डा साईन (फर्जी नम्बर प्लेट)।गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली टीम का विवरण- 1.उ0नि0 आशुतोष सिंह चौकी प्रभारी कांशीराम आवास थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 2.उ0नि0 विनोद यादव चौकी प्रभारी चुर्क थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 3.उ0नि0 जितेन्द्र सरोज थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 4.उ0नि0 संजय सिंह चौकी प्रभारी नई बाजार थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 5.हे0का0 मनीष कुमार थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 6.हे0का0 धर्मेन्द्र कुमार थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 7.हे0का0 कन्हैया यादव थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 8.हे0का0 अभिमन्यु यादव थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र। 9.का0 शशिकान्त सरोज थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र।

जिला प्रशासन का सराहनीय कदम, एक दिन के अज्ञात नवजात शिशु को तत्काल उपलब्ध कराई चिकित्सकीय सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा ने बताया कि आज दिनांक 29 अगस्त 2025 को ग्राम धमसी राय का पुरवा थाना त्रिपुला कोतवाली जनपद रायबरेली में एक अज्ञात नवजात शिशु (उम्र लगभग 01 दिन) जनसामान्य को सुबह प्राप्त हुआ। स्थानीय लोगो ने प्रकरण की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम 112 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 रायबरेली को दी। सूचना प्राप्त होते ही जिला प्रशासन एवं पुलिस टीम सक्रिय हुई और शिशु को चिकित्सकीय देखरेख हेतु सुरक्षित अस्पताल पहुँचाया गया। शिशु की नाजुक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उसे उच्च स्तरीय चिकित्सकीय उपचार हेतु के0जी0एम0यू0, लखनऊ में भर्ती कराया गया है। वर्तमान में शिशु का उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में किया जा रहा है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने कहा हैं कि नवजात शिशु के जैविक अभिभावक शिशु प्राप्त करने के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई रायबरेली/जिला प्रोबेशन कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

कृषि विभाग द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किसानो को वितरित की जायेगी निःशुल्क राई/सरसों बीज मिनीकिट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार ने बताया है कि कृषकों की

सुविधा हेतु कृषि विभाग द्वारा संचालित राज्य सहायतित निःशुल्क तिलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत राई/सरसों फसल का दो किलोग्राम मात्रा का बीज मिनीकिट निःशुल्क प्राप्त करने हेतु कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत कृषकों के द्वारा ऑनलाइन आवेदन 01 सितम्बर से 29 सितम्बर 2025 तक किया जायेगा, इसके लिए कृषि विभाग के एग्री दर्शन पोर्टल 02 पर जाकर बीज पर क्लिक कर के राई/सरसों बीज मिनीकिट की बुकिंग की जा सकती है। उन्होंने बताया है कि ऑनलाइन आवेदन करने वाले कृषकों को बीज मिनीकिट आवेदन अवधि में प्राप्त आवेदकों के मध्य लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने की दशा में ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। एक कृषक को केवल एक मिनीकिट प्राप्त होगा, जिसके लिए तिथि निर्धारित की जायेगी। चयनित कृषकों का पीओएस मशीन के माध्यम से राजकीय कृषि बीज भण्डारों से बीज मिनीकिट वितरित किया जायेगा। उन्होंने सभी विकास खण्डों के इच्छुक कृषक निःशुल्क राई/सरसों बीज मिनीकिट प्राप्त करने हेतु कृषि विभाग वेब पोर्टल https://agridarshsn.up.gov.in (एग्री दर्शन 02) पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एसडीएम एवं तहसीलदारों ने सहकारी समितियों का किया गहन निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर

के निर्देशानुसार जनपद के सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों द्वारा साधन सहकारी समितियों का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यूरिया वितरण रजिस्टर एवं खतौनी का भी परीक्षण अधिकारियों ने किया। अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि यूरिया केवल उन्हीं कृषकों को वितरित किया जाए जिनके खेतों में वर्तमान में फसल लगी हुई है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वास्तविक किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके तथा अनावश्यक जमाखोरी या कालाबाजारी पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जा सके। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खाद वितरण में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

जलभराव की समस्या पर भड़कीं नपा चेयरमैन, अध्यक्ष रूबी प्रसाद बोलीं- कार्रवाई न हुई तो 25 सभासदों संग धरना दूंगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर पालिका परिषद

राबर्ट्सगंज की अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक रूबी प्रसाद ने नगर में हर वर्ष होने वाले जलभराव को लेकर जिला प्रशासन पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नगर के विस्तारित क्षेत्रों से आने वाला बारिश का पानी इमरती कॉलोनी से लेकर बढ़ौली चौक तक भर जाता है, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है और आम नागरिकों का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। यह बातें उन्होंने शुक्रवार को नगर पालिका कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं। अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि मैंने 4 जुलाई को ही जिलाधिकारी सोनभद्र को पत्र लिखकर इस गंभीर समस्या से अवगत कराया था, इसके पहले भी उनसे मुलाकात के माध्यम से भी नगर की स्थिति बताया लेकिन आज तक कोई पहल नहीं की गई। बरसात में लगातार जल भराव हो रहा है प्रशासन मौन साधे बैठा है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वे अपने 25 सभासदों के साथ धरने पर बैठने को बाध्य होंगी। श्री प्रसाद ने कहा कि यह समस्या केवल नगर पालिका की नहीं बल्कि जिला प्रशासन की भी जिम्मेदारी है। नगरवासियों के हित में तुरंत ठोस कदम उठाना जरूरी है, अन्यथा आंदोलनात्मक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगी।

शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकार वार्ता का प्रेस क्लब में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/यमुनापार। प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए जिलाध्यक्ष

यमुनापार अशोक सिंह पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का जीरो टॉलरेंस मजाक बन गया है। सूबे की बात छोड़े अपने प्रयाग राज में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि पिछले दिन यानी 22 अगस्त की रात को भाजपा की पूर्व जिला पंचायत सदस्य को अपहरण कर और हत्या कर रेलवे पटरी पर फेंक दिया जिससे शव आठ टुकड़ों में बंट गया। योगी सरकार की अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस का कोई असर नहीं। अपराधियों को न तो पुलिस का डर है और न हीं कानून का। उन्होंने यमुनार की खामियों को उजागर करते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। यमुनापार की सड़कों की दयनीय स्थिति, बिजली की अनियमित आपूर्ति, और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी जैसे मुद्दे कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने उठाए। उनका कहना है कि सरकार की लापरवाही के कारण आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में अपराध की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं , सरकार की नाकामी के चलते आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि योगी सरकार ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने में असफलता दिखाई है। इस कारण अपराधी बेखौफ होकर अपने कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। यमुनापार के विकास में हो रही रुकावटों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ये समस्याएँ अब और सहन नहीं की जा सकतीं। प्रेस क्लब में सुशील तिवारी,कामद प्रताप सिंह और लोकेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद जी को किया गया नमन, राष्ट्रीय खेल दिवस/मेजर ध्यानचंद की जयंती पर जनपद में हुआ हाकी प्रतियोगिता का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विश्व विख्यात मेजर

ध्यानचंद जी के जयंती पर 29 अगस्त को 14 वर्षीय बालक वर्ग हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में किया गया। इस दौरान मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी के लखनऊ से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। स्टेडियम रायबरेली में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए हाकी प्रतियोगिता की शुरुआत की गई। प्रतियोगिता का मैच स्टेडियम ए रायबरेली मैच खेलते हुए विजय रही। इसी प्रकार वैदिक इंटर कॉलेज अपने पहले ही दौर में दो जीरो गोल से विजेता रही। इस प्रतियोगिता में कल 6 टीमों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण में मुख्य अतिथि सलोन विधायक अशोक कुमार कोरी ने सभी खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद की जयंती पर शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान विशिष्ट अतिथि चंद्र प्रकाश त्रिवेदी पूर्व प्रदेश कोऑर्डिनेटर बीजेपी उत्तर प्रदेश, ओलंपिक संघ की सचिव लक्ष्मीकांत शुक्ला, क्रीड़ा सचिव माध्यमिक शिक्षा रायबरेली अजय चंदेल, धीरेंद्र कुमार पुरुषोत्तम जिला क्रीड़ा अधिकारी, अबू युसूफ वरिष्ठ खिलाड़ी हॉकी, उपस्थित रहे।

02 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण एवं इकाई कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय फल संरक्षण

एवं प्रशिक्षण केन्द्र रायबरेली प्रभारी रविवंश नारायण ने बताया कि संचालित ग्राम-बारादीह, न्याय पंचायत सूची, विकास खण्ड सलोन, रायबरेली मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार 02 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण एवं इकाई कार्यक्रम का शुभारम्भ गुरुवार को आलोक सिंह ग्राम प्रधान द्वारा उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर श्याम लाल सहायक अधिकारी सेवानिवृत्त ग्रामोद्योग से सम्बन्धित उपस्थित लाभार्थियों को अपने विभागीय योजना की विस्तार पूर्वक जानकारी दिया कैलाश चन्द्र वर्मा सेवानिवृत्त ने विभागीय जानकारी दी। अनीता मिश्रा ने खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित जैम, अचार, मुरब्बा के बारे में बताया। ग्राम प्रधान आलोक सिंह ने लाभार्थियों को खाद्य प्रसंस्करण योजना से सम्बन्धित कुटीर उद्योग जैसे अचार, पापड़, बरी, मसाले, नमकीन बेकरी आदि उद्योग लगाने के लिये प्रेरित किया। केन्द्र प्रभारी ने मुख्यमंत्री जी की खाद्य प्रसंस्करण की योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया खाद्य प्रसंस्करण इकाई घरेलू स्तर से लगाकर अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकते है सरकारी की योजना में लागत का 50 प्रतिशत मशीन व अन्य मद में सहयोग प्रदान किया जाता है समापन के अवसर पर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान द्वारा वितरित किया और उज्जवल भविष्य की कामना की और आयोजन का आभार व्यक्त किया और ग्रामीण प्रशिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया और कहा इस तरह का कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित किया जाय केन्द्र कर्मचारी श्री विजय कुमार मौर्या व अरूण कुमार अवस्थी ने कार्यक्रम में सहयोग दिया।

'मिशन शक्ति' के तहत सोनभद्र पुलिस का व्यापक महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान

थाना क्षेत्रों में योजनाओं व हेल्पलाइन की जानकारी, महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र

अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के अंतर्गत जनपद पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने हेतु विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों व एंटी रोमियो स्क्वॉड ने बाजारों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत जैसी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही महिला हेल्पलाइन 1090, 181, आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस 108 और साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित विभिन्न सहायता नंबरों का प्रचार-प्रसार कर पंपलेट वितरित किए गए। महिला पुलिसकर्मियों ने संवाद स्थापित कर महिलाओं व बालिकाओं को निःसंकोच पुलिस से संपर्क करने का भरोसा दिलाया।

धूमधाम के साथ विदा किये, गणपति गजानन! आंखें नम हो गई भक्तों की!!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गाज़ियाबाद संजय नगर सेक्टर 23 अग्रवाल सदन में गणेश उत्सव परमार्थ सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन वी के अग्रवाल द्वारा इस वर्ष गणेशोत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। शुक्रवार की शाम गणपति बप्पा की विधिवत मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के साथ सम्पन्न हुई। इस अवसर पर परमार्थ सेवा ट्रस्ट के सभी भक्तों द्वारा एवं संजय नगर के सभी निवासीगण, महिलाएँ और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जैसे ही गणपति महाराज को विदा करने के लिए लेकर के चले तो सभी भक्तों की आंखों में आंसुओं की धारा निकली इस अवसर पर विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि स्थापना उपरांत ट्रस्ट की ओर से अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, भजन संध्या एवं सामूहिक आरती, विशेष आकर्षण सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसने वातावरण को भक्तिमय और आनंदमय बना दिया। शुक्रवार की शाम गणपति विसर्जन शोभायात्रा का आयोजन किया गया, संजय नगर के मुख्य मार्ग अग्रवाल सदन से आरम्भ होकर ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों के साथ सम्पन्न हुई। शोभायात्रा के उपरांत भगवान गणेश की प्रतिमा को विधिवत गंग नहर में विसर्जन किया गया, तत्पश्चात इस कार्यक्रम की मौजूदगी में वानर भोज की भी व्यवस्था की गई हजारों वानरों ने प्रसाद पाकर इस कार्यक्रम की उपस्थिति दर्शाई इस अवसर पर सुरेंद्र पाल त्यागी, राम गुप्ता, डॉ नीरज गर्ग, गौरव अग्रवाल, वैभव ठाकुर, सुशांत पांडे, सुरेंद्र तिवारी सुरेंद्र तिवारी, इंद्रेश तिवारी, देवी अशोक झा, मुवेश देवी, अंकुर अंकित, शालिनी आकांक्षा, अर्याश अग्रवाल, आवे अग्रवाल मौजूद थे।

सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों पर योगी का बुलडोजर दौड़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। दिनांक 27.08.2025 ग्राम किशनपुर राय परगना ,तहसील सदर रायबरेली की गाटा संख्या 31 जो राजकीय अभिलेखों में तालाब एवं चारागाह के रूप में दर्ज है, जिस पर अशोक कुमार मौर्य द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर हॉस्टल व अन्य निर्माण कार्य कराए गए हैं । इसी संबंध में प्रदेश के मुखिया को अमिय कृष्ण शुक्ल पुत्र रमेश कुमार शुक्ल निवासी ग्राम अहियापुर रायबरेली ने प्रार्थना पत्र भेजकर शिकायत की है, कि गाटा संख्या 31 व 32 किशनपुर राय पर अशोक कुमार मौर्य द्वारा अवैध अतिक्रमण किया गया है। शिकायती प्रार्थना पत्र में मौर्य द्वारा किए गए अपराधिक कार्यों को भी इंगित किया गया है। जिसमें एक अनुसूचित जाति की भूमि को धोखे से दाखिल खारिज कर लिया गया है । जिसका मुकदमा श्रीमान परगनाधिकारी सदर के यहां चल रहा है ।इसके इसके अतिरिक्त मौर्य द्वारा कई अन्य अपराधों में संलिप्तता पाई गई है । जिस पर भी उन पर समय-समय पर कार्रवाई की गई है । तहसील प्रशासन द्वारा मौकेपर जांच कर कुछ अतिक्रमण पर आज पीला पंजा की कार्रवाई की गई है । अमीय कृष्ण शुक्ल द्वारा शिकायती प्रार्थना पत्र पर अशोक कुमार द्वारा उन्हें किसी झूठे मामले में फसाए जाने से बचाने के लिए भी अनुरोध किया गया है। मौर्य के कुछ भाग को आज अतिक्रमण से हटा दिया गया है। और कुछ भाग के लिए उन्हें एक सप्ताह का समय दिया गया है कि वह स्वेच्छा से अपना अवैध हटा लें अन्यथा एक सप्ताह बाद उस पर भी तोड़फोड़ की कार्रवाई करेगा।इस सम्बन्ध में यह तथ्य प्रकाश में आया है कि कुछ दिन पूर्व अशोक कुमार मौर्य के गलत ढंग से शिकायत करने पर अमिय कृष्ण शुक्ल एवं उनके भाई के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

10 दिवसीय गणपत पूजन महोत्सव 27 अगस्त से प्रारंभ होगा चंदापुर मंदिर में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बाबा जगमोहनेश्वर धाम, चंदापुर मंदिर प्रांगण में आठवां गणपत पूजन महोत्सव दिनांक 27 अगस्त से प्रारंभ होगा । जगमोहनेश्वर धाम कमेटी के व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया की दिनांक 26 अगस्त को मुंशीगंज से गणपत भगवान की मूर्ति ढोल नगाड़ों के साथ रात्रि 7:30 बजे लाई जाएगी। इसके लिए भव्य दरबार बनाया गया है । मंदिर परिसर की भव्य सजावट कराई गई है त मंटू शुक्ला ने बताया दिनांक 27 अगस्त 2025 दिन बुधवार को भाद्र शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि रहेगी और इसी दिन गणपत भगवान का प्रकटोत्सव अपराह्न में हुआ था । प्रातः 9:00 बजे गणेश जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा आचार्य पंडित नरेश चंद्र शास्त्री द्वारा संपन्न कराई जाएगी । इसके बाद गणेश जी को दूध दही, घी , शहद,शंकर एवं पंचामृत समर्पित किया जाएगा तदुपरांत गणेश जी को 1000 नाम के द्वारा सहर्ष अर्चन किया जाएगा ।1000 दुर्वांकुर, 1000 मखाना का लावा, तथा 1000 मोदक समर्पित किया जाएंगे। 21 बार गणपत अथर्वशीर्ष का पाठ होगा तथा दोपहर 12:00 हवन होगा। इसके बाद आरती और प्रसाद का वितरण होगा त प्रतिदिन प्रात काल 9:00 बजे एवं रात्रि कालीन 7:30 बजे गणेश जी की आरती होगी। भक्तगण दिनांक 27 तारीख को प्रातः 9:00 बजे पूजन या गणेश जी की दोनों समय में संपन्न होने वाली आरती में मुख्य यजमान के रूप में शामिल हो सकते हैं।कृपया मंदिर स्थित कार्यालय से संपर्क करें त यह गणपत महोत्सव आठवां गणपति महोत्सव है जो 6 सितंबर तक चलेगा। दिनांक 6 सितंबर 2025 को भाद्र शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि रहेगी जो अनंत चतुर्दशी के नाम से प्रचलित है ।इस दिन दोपहर 12:00 बजे हवन के पश्चात गणपत भगवान का विसर्जन किया जाएगा ।गणपत महोत्सव के इस पूरे व्यवस्था में आशीष सविता, राजीव दीक्षित, राम प्रकाश, आचार्य नीरज तिवारी, आचार्य योगेश मिश्रा का विशेष सहयोग रहेगा।

पर्यटन मंत्री ने 1,407.73 लाख की 13 पर्यटन विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग मंत्री जयवीर सिंह ने जनपद रायबरेली के गौरा हरदो स्थित दुर्गा माता मन्दिर का पर्यटन विकास (लागत रू0 72.47 लाख) की भूमि पूजन शिलान्यास किया। इसी क्रम में सलोन में स्थित महेश्वरनाथ मन्दिर का पर्यटन विकास (लागत रू0 56.80 लाख), डलमऊ में गंगा तट पर स्थित नागेश्वर शिव मन्दिर का पर्यटन विकास (लागत रू0 79.19 लाख), हरचंदपुर स्थित श्री मंसेश्वर महादेव मन्दिर का पर्यटन विकास (लागत रू0 97.95 लाख), रामजानकी शिव मन्दिर पर पर्यटक सुविधाओं की अवस्थापना एवं सौन्दर्यीकरण (लागत रू0 107.91 लाख) का लोकार्पण किया। मा0 मंत्री ने इसी दौरान इन्दिरा गांधी स्मारक वानस्पतिक उद्यान के अन्तर्गत ईको पर्यटन विकास कार्य (लागत रू0 177.07 लाख), शंकरेश्वर मन्दिर खजूरगांव लालगंज का पर्यटन विकास (लागत रू0 41.45 लाख), कुचरिया स्थित झलेश्वर मन्दिर का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास कार्य (लागत रू0 54.50 लाख), महर्षि गोकर्णनाथ (गोकना) घाअ का पर्यटन विकास एवं सौन्दयीकरण कार्य (लागत रू0 226.73 लाख), नसीराबाद स्थित रामलीला स्थल का पर्यटन विकास कार्य (लागत रू0 130.82 लाख), गहिरेश्वर मन्दिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य (लागत रू0 160.55 लाख), इन्दिरा गांधी स्मारक वानस्पतिक उद्यान के अन्तर्गत ईको पर्यटन विकास कार्य (लागत रू0 175.00 लाख), जीर्णोद्धार एवं पर्यटन विकास (लागत रू0 27.29 लाख) का लोकपर्ण किया गया। मा0 मंत्री ने लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगो को प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की लाभ परक योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हर वर्ग की चिंता करती है और उनके हितों का ध्यान रख रही है। किसानों को पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस मौंक पर मा0 विधायक ऊंचाहार डॉ मनोज कुमार पांडे, मा0 विधायक सदर अदिति सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि व जनसामान्य उपस्थित रहें।

आईएमएस-डीआईए के छात्रों ने किया राष्ट्रीय हस्तशिल्प एवं हथकरघा संग्रहालय का शैक्षिक भ्रमण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस -डीआईए के छात्रों ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय हस्तशिल्प एवं हथकरघा संग्रहालय का शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को भारतीय कला, शिल्पकला और हथकरघा परंपराओं की गहराई से जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने संग्रहालय में प्रदर्शित विभिन्न शिल्प कृतियों, वस्त्रों, लोककला और आदिवासी कृतियों का अवलोकन किया। उन्होंने भारतीय शिल्पकारों की समृद्ध परंपरा, विविधता और सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। आईएमएस-डीआईए की सीएमडी श्रीमती शिल्पी गुप्ता ने कहा कि भारतीय कला और शिल्प हमारी सांस्कृतिक धरोहर के अमूल्य प्रतीक हैं। इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण न केवल छात्रों को परंपरा और विरासत से जोड़ते हैं, बल्कि उन्हें नवाचार और डिजाइन की दुनिया में अपनी रचनात्मक पहचान बनाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण छात्रों को किताबी ज्ञान से हटकर व्यावहारिक समझ प्रदान करते हैं। साथ ही भारत की कला और संस्कृति को समझने की की विद्यार्थियो के समग्र विकास और सृजनात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। आईएमएस-डीआईए के डीन प्रोफेसर (डॉ.) एम.के.वी. नायर ने कहा कि यह शैक्षणिक भ्रमण छात्रों को भारतीय कला और शिल्प की गहराई से परिचित कराते हुए उन्हें आधुनिक डिजाइन और नवाचार की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी और वैश्विक परिदृश्य में ऐसे अनुभव छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं तथा उनकी रचनात्मकता को नए स्वरूप प्रदान करते हैं।

अंतरिक्ष में जाने वाले शुभांशु शुक्ला से विधायक ने की मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। अंतरिक्ष में जाकर देश का नाम रोशन करने वाले देश के लाल शुभांशु शुक्ला से कल रात नैमिषारण्य रेस्ट हाउस, लखनऊ में मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैंने गुलदस्ता भेंटकर उन्हें सम्मानित किया और उनके अंतरिक्ष के अद्भुत अनुभवों को सुनकर मेरा हृदय गर्व और प्रेरणा से भर उठा। इस अवसर पर उनके पिताश्री भी उपस्थित रहे, जिनके संस्कार और मार्गदर्शन ने शुभांशु जी को यह ऊँचाई प्रदान की है। मैंने पिता जी को भी विशेष रूप से साथ आने का आग्रह करते हुए कहा कि , आपके आशीर्वाद की वजह से ही शुभांशु जी ने देश का नाम रोशन किया है। मैंने पूरे परिवार को शुभकामना देते हुए यह भी कहा कि मैं चाहता हूँ , ऐसे ही हर बच्चा अपने माँ बाप और देश का नाम रोशन करे। माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी पूर्व में ही उनका सम्मान कर चुके हैं, और आज उनसे मिलना मेरे लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण रहा। शुभांशु जी की अंतरिक्ष तक पहुँचने की रोमांचकारी यात्रा और ऊँचाई ने पूरे देश का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है। कैप्टन शुभांशु देश के युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। आप इसी प्रकार देश और समाज को गौरव प्रदान करते रहें।

डीएम ने स्टेडियम के निर्माणाधीन कार्यो का निरीक्षण कर, कार्य की प्रगति का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा आज मोती लाल नेहरू स्टेडियम में निर्माणाधीन बैडमिन्टन हॉल, तरणताल, बाउण्ड्रीवाल कार्य का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया। स्टेडियम में लगभग 20 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण कार्य कराया जा रहा है, परियोजना की प्रथम किस्त के रूप में 05 करोड़ रूपये की धनराशि प्राप्त हुई है, जिसके सापेक्ष निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था उ0प्र0आवास एवं विकास परिषद द्वारा कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि कार्यो को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध पूर्ण कराया जाये। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित अधिकारी नियमित रूप से निर्माणाधीन कार्यो की प्रगति व गुणवत्ता की समीक्षा करते रहें। निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, जिला क्रीडाधिकारी, धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम सहित संबंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रविवार 31 अगस्त को होगा नोएडा दलित शोषण मुक्ति मंच का ?त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दलितों पर बढ़ते उत्पीड़न एवं 31 अगस्त को होने वाले जिला सम्मेलन को लेकर दलित शोषण मुक्ति मंच नोएडा के पदाधिकारियों की बैठक सेक्टर-8, नोएडा कार्यालय पर मंच के अध्यक्ष रमाकांत सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की जानकारी देते हुए मंच के सचिव कामरेड धर्मेंद्र गौतम, उपाध्यक्ष भीखू प्रसाद ने बताया कि देश व उत्तर प्रदेश में दलितों पर अत्याचार व उत्पीड़न की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। रविवार 31 अगस्त 2025 को प्रातः 11:00 बजे से नोएडा कार्यालय पर मंच का त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन होगा। सम्मेलन में दलितों शोषितों पर बढ़ते हमलों पर विचार विमर्श कर संघर्ष की रणनीति तय की जाएगी साथ ही सम्मेलन में पिछले 3 साल के कामकाज की समीक्षा और आगामी 3 वर्षों के भविष्य की दिशा तय की जाएगी तथा नई कमेटी का चुनाव किया जाएगा। बैठक में मंच के पदाधिकारी रमाकांत सिंह, हरकिशन सिंह, धर्मेंद्र गौतम, भीखू प्रसाद आदि के साथ-साथ सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा व राम सागर भी मौजूद रहे।

कचहरी परिसर का पोस्ट ऑफिस जल्द ही खोला जाय, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र ने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अधिवक्ता पवन कुमार सिंह ने बताया कि जनपद न्यायालय स्थित डाकघर कई दिनों से बंद चल रहा है । कचहरी परिसर स्थित डाकघर बंद होने से अधिवक्ता, वादकारियों एवं न्यायालय के कर्मचारियों को स्पीड पोस्ट करने में काफी परेशानी होती है शासन द्वारा पोस्टऑफिस द्वारा रजिस्ट्री को बंद किए जाने की वजह से केवल स्पीड पोस्ट ही होगा पोस्ट ऑफिस बंद होने की कारण रावटसगंज जिला मुख्यालय पोस्ट ऑफिस में काफी भीड़ हो रही है जिससे अधिवक्ता का तीन से चार घंटे समय बेकार चला जाता है पूरा दिन उसका काम रजिस्ट्री करने में बीत जाता है । वह कोर्ट का कार्य कब करेगा । हाईडिल,रॉबर्ट्सगंज स्थित जो पोस्ट ऑफिस है उसमें भी मशीन बिगड़ जाने के कारण कई दिनों से स्पीड पोस्ट पर नहीं हो पा रहा है । डाकघर बंद होने से अधिवक्ताओं में काफी रोष व्याप्त है । इसलिए पोस्ट ऑफिस की जो शाखा कचहरी में कार्य कर रही थी उसे अभिलंब त्वरित रूप से तुरंत संचालित किया जाय नहीं तो अधिवक्तागण आगे की रणनीति डाकघर के खोलने हेतु बनाई जायेगी । अवसर पर राजेश कुमार मौर्य एड, राजेश कुमार यादव साथ में थे।

फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन में कार्यशाला का आयोजन राज्य मंत्री, बीएल वर्मा ने किया संमानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-70 में बृहस्पिवार को फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन द्वारा विशेष मेडिकल वर्कशॉप एवं सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था कंधे और उससे जुड़ी समस्याएं। इस अवसर पर एमिटी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी और ऑक्यूपेशनल थेरेपी विभाग के विद्यार्थियों ने इस परेशानी से जुड़े लोगों ने विशेषज्ञों से व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री, बी.एल. वर्मा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और कहा कि इस प्रकार के मेडिकल वर्कशॉप और सेमिनार विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करते हैं। फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन के निदेशक डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव डॉ. महिपाल सिंह और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी शामिल रहे। डॉ. दीक्षा ने कंधे के जोड़ की संरचना, बायोमैकेनिक्स और सामान्य समस्याओं जैसे फ्रोजन शोल्डर व रोटेटर कफ इंजरी के बारे में विस्तार से बताया। वहीं डॉ. महिपाल सिंह ने विद्यार्थियों को क्लिनिकल आकलन एवं पुनर्वास तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। डॉ भाटी ने समग्र पुनर्वास की अवधारणा समझाते हुए कहा कि एक चिकित्सक का कार्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि रोगी की जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाना भी है। कार्यक्रम का सफल संचालन दिव्या कार्की और पियूष कांडपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक राज, प्रशासनिक प्रमुख कृष्णा यादव और विशेष शिक्षिका इलिका रावत, सौम्या सोनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेंटर मैनेजर सुर्भी जैन ने कहा फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन का उद्देश्य युवाओं को केवल सैद्धांतिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक और जीवनोपयोगी कौशल प्रदान करना है। इस तरह के मेडिकल वर्कशॉप और सेमिनार विद्यार्थियों को दक्ष बनाकर समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने योग्य बनाते हैं।'

'पंचतत्व को समर्पित कवि सम्मेलन' का आयोजन 31 को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रामगढ़ (सोनभद्र)। गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को उदय प्रताप सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज, रामगढ़ में 'पंचतत्व को समर्पित कवि सम्मेलन' का आयोजन दोपहर दो बजे से प्रकृति,पर्यावरण संरक्षण के नायक ट्रस्ट के संस्थापक रवि प्रकाश चौबे के नेतृत्व में किया जायेगा। यह आयोजन प्रकृति एवं पंचतत्व की रक्षा हेतु संकल्प के साथ साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इसमें जनपद सोनभद्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर चुके कई प्रतिष्ठित कवि एवं साहित्यकार अपनी रचनाओं से वातावरण को सरस करेंगे। मुख्य आमंत्रित अतिथि एवं कविः- रामनाथ शिवेन्द्र, ओमप्रकाश त्रिपाठी, भोलानाथ मिश्र, ईश्वर वीरागी , डा. रचना तिवारी, शायर अब्दुल हई, शारिक मखदूम फूलपुरी (प्रयागराज), प्रदुम्न त्रिपाठी, अशोक तिवारी, राकेश शरण मिश्र, कौशल्या कुमारी चौहान, दिव्या राय, प्रभात सिंह चंदेल, अलका केसरी, दिवाकर दिवेदी 'मेघ', सुधाकर पांडेय 'स्वदेश प्रेम', दिलीप सिंह दीपक, दयानंद दयालू एवं विवेक चतुर्वेदी सहित कई कवि-साहित्यकार उपस्थित रहेंगे। गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट का यह प्रयास साहित्य, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक पहल है।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि शुरू किया और फिर इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के

डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती

जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या हमने जेपी आंदोलन के सवालों पर गौर किया है?

(अभय कुमार दुबे) इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में अपनी कुर्सी बचाने के लिए थोपे गए आपातकाल की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं, मेरे पिता और मेरा परिवार भी आपातकाल में

राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार रहा है। लेकिन क्या आपातकाल से हमने, हमारे नेताओं ने और हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली ने कोई सबक सीखा है? इस सवाल का जवाब आपातकाल में जेल गए लोगों के अनुभव से पैदा हुई तल्खी से परे जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल लगाने की नौबत जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले 1974 के आंदोलन की बदौलत आई थी। इस आंदोलन के मर्म में लोकतांत्रिक राजनीतिक सुधारों का प्रश्न था। आज हम चाहें तो इस प्रश्न को इस रूप में समझ सकते हैं कि उस जमाने के आंदोलनकारी छात्र और युवा पूछ रहे थे कि हमारा प्रतिनिधि कैसा होना चाहिए? अगर वह अच्छे प्रतिनिधि की कसौटियों पर खरा नहीं उतरता तो क्या जनता को अपने प्रतिनिधि की वापसी का अधिकार नहीं देना चाहिए? क्या चुनाव में होने वाले राजनीतिक भ्रष्टचार को नियंत्रित करने वाली संहिताएं नहीं बननी चाहिए? क्या पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होना चाहिए? क्या सत्ता पाने के लिए धनबल और बाहुबल का उन्मूलन करने के संस्थागत बंदोबस्त नहीं होने चाहिए? क्या धर्म और जाति के आधार पर वोटों की गोलबंदी पर रोक नहीं लगनी चाहिए? आपातकाल के बाद भी कांग्रेस 19 साल सत्ता में रही है। भाजपा भी 17 साल सत्ता भोग चुकी है। हर तरह की क्षेत्रीय पार्टी किसी न किसी रूप में प्रदेश या केंद्र में कभी न कभी सत्ता प्राप्त कर चुकी है। क्या इनमें से कोई पार्टी आज कह सकती है कि उसने जेपी आंदोलन द्वारा उठाए गए सवालों पर कभी गौर किया है, या उनके आधार पर अपने घोषणापत्र बनाए हैं? वास्तविकता में जो हुआ, वह उस आंदोलन के शब्दों और भावनाओं का ठीक उल्टा है। पिछले पचास साल में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आई है। 1975 में पक्ष हो या विपक्ष, चुनाव आयोग एवं अन्य वैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं करता था। पत्रकार का मुख्य काम सत्ता से सवाल पूछना था, न कि वह उसे क्लीन चिट देते हुए विपक्ष को कोने में धकेलता हुआ दिखता था। अर्थव्यवस्था के जो भी आंकड़े होते थे, उन पर कोई संदेह नहीं करता था। आपातकाल के महीनों को छोड़ दिया जाए तो संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक और स्वस्थ विचार-विमर्श पर आधारित थी। विपक्ष-मुक्त भारत बनाने के दावे खुलेआम नहीं किए जाते थे। कॉर्पोरेट पूंजी सत्ता की संरचनाओं को नियंत्रित करते हुए नहीं देखी जाती थी। पार्टियां अपना सांगठनिक विस्तार दलबदल के जरिए नहीं करती थीं। एक राज्यसभा चुनाव में सौ करोड़ से भी ज्यादा खर्च किए जाएंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। राजनीति से जुड़े प्रभावशाली लोग आपराधिक प्रकरणों में लिप्त दिखाई देंगे, सोचना भी कठिन था। क्या यह अजीब नहीं लगता कि लोकतंत्र के चौतरफा विकृतीकरण के इस भीषण दौर में आपातकाल के दौरान जेल गए लोग स्वयं को नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के अग्रदूत के तौर पर पेश करते हैं? जो लोग तब जेल में थे (चाहे वे पत्रकार हों या नेता), उन्होंने लोकतंत्र को समृद्ध करने की दिशा में कदम उठाया है? आपातकाल का जो राजनीतिक इतिहास पेश किया जा रहा है, वह भी तथ्यात्मक दृष्टि से सही नहीं है। 1977 में इंदिरा गांधी अलोकप्रिय जरूर थीं, लेकिन केवल उत्तर भारत में। दक्षिण ने उस चुनाव में भी कांग्रेस को 150 से ज्यादा सीटें दी थीं। सत्ताच्युत हो जाने के बावजूद कांग्रेस को 34.52फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यानी, 2014 में भाजपा की जीत से भी अधिक। आपातकाल के ढाई साल बाद कांग्रेस 353 सीटें जीतकर सत्ता में लौट आई। उसे 42.69फीसदी वोट मिले, जो भाजपा को आज तक नहीं मिले हैं। तो क्या वास्तव में देश की जनता ने 1977 में नागरिक आजादियों के छिन जाने से नाराज होकर वोट दिया था? क्या वह वोट इमरजेंसी-विरोधी था, या उसका चरित्र महज नसबंदी विरोधी था? कांग्रेस केवल उन्हीं इलाकों में हारी थी, जहां जबरिया नसबंदी कार्यक्रम चलाया गया था।

इसी से जुड़ा व्यापक प्रश्न है कि क्या आमजन को अपनी राजनीतिक आजादियां उतनी ही और उसी तरह से प्यारी हैं, जिस तरह हम सिद्धांततः मानना पसंद करते हैं? सच यह है कि इमरजेंसी से किसी ने कोई सबक नहीं सीखा। न उन्होंने जिन्होंने लगाई थी, न उन्होंने जिन्होंने तथाकथित दूसरी आजादी के लिए संघर्ष किया था। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर विचार शुरू कर दें। अगर हमने ऐसा न किया तो हमारा लोकतंत्र एक आत्माविहीन शरीर जैसा ही रहेगा।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका में अब समाजवाद क्यों लोकप्रिय हो रहा है?

(शेखर गुप्ता) जोहरान ममदानी चर्चा के विषय बनने वाले हैं। दुनिया के सबसे उदार, शक्तिशाली और समृद्ध यहूदी-बहुल शहर की बागडोर उनके हाथों (आंगनवाड़ी?) उपलब्ध कराएंगे; और सरकारी किराना स्टोर खोलेंगे, जिनमें कम कीमत पर सामान मिलेंगे। आपको

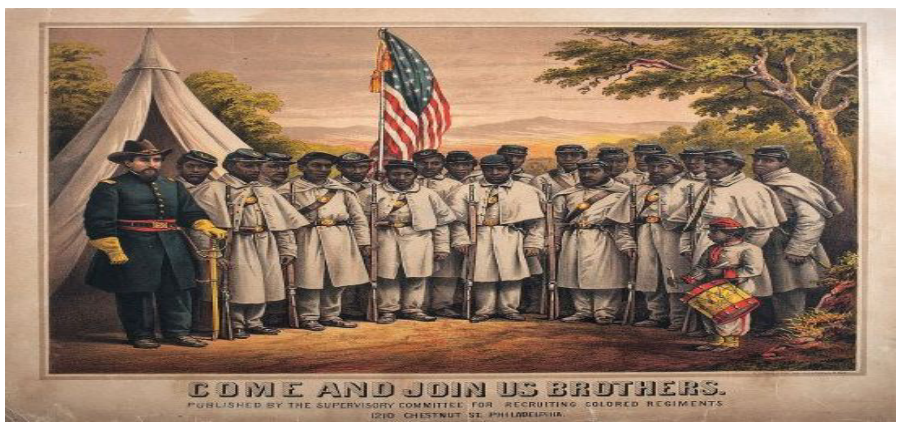

में आने वाली है। वे गाजा के समर्थक हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति के अपने इलाके में जबरदस्त ट्रम्प-विरोध को बुलंद करते हैं और डेमोक्रेटिक लेफ्ट की पैरोकारी करते हैं।ट्रम्प ने उन्हें 'सौ फीसदी कम्युनिस्ट पागल' कहा है। ट्रम्प उनके उत्कर्ष के लिए डेमोक्रेटिक लेफ्ट की चार महिला नेताओं की 'चौकड़ी' को जिम्मेदार मानते हैं। वैसे ट्रम्प से अपमानित होने का न्यूयॉर्क में कोई बुरा नहीं मानता। लेकिन मैं ममदानी के कुछ प्रमुख चुनावी वादों की चर्चा करूंगा। वे बसों का किराया खत्म कर देंगे (दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और इसके बाद और सारे शहर गौर करें); सब्सिडी से बनाए गए 20 लाख आवासों का किराया 'फ्रीज' कर देंगे (हम अपने रेंट कंट्रोल एक्ट को याद करें); सार्वजनिक आवास विकास एजेंसी (भारत के हर शहर में डीडीए, म्हाडा, बीडीए आदि हैं) के जरिए तीन साल के अंदर दो लाख और आवास बनवाएंगे; छह सप्ताह के नवजात शिशुओं से लेकर पांच साल तक के बच्चों को व्यापक बाल सुरक्षा सेवा केंद्रीय भंडारों और सहकारी सुपर मार्केट की याद है न? इन सारे कार्यक्रमों को भारतीयों की दो पीढ़ियां समाजवादी राज्य-व्यवस्था की भारी नाकामियों के रूप में याद करती हैं। जिस तरह मैं 10 साल की उम्र में अपनी मां के साथ हर चीज खरीदने के लिए राशन की दुकान के आगे लाइन में खड़ा हुआ करता था, उस तरह अगर आप भी खड़े हुए होंगे तब आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। इन सरकारी दुकानों में कामगार तबकों के लिए चीनी (1967 में प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह 200 ग्राम के हिसाब से), गेहूं से लेकर मीटर के नाप से कपड़े तक हर चीज उपलब्ध होती थी। आपने अपने शहरों में कामगार तबकों के लिए बनाए गए सरकारी आवासों को भी जरूर देखा होगा, जिन्हें कंक्रीट का स्लम कहा जाता है। हर शहर में आपको वे मिल जाएंगे। हमारी मुफ्त बस सेवाएं राज्य सरकारों की आर्थिक तंगी के कारण नाकाम हो रही हैं। ऐसी सारी योजनाएं जो अपने देश में विफल हो गईं, उन्हें ममदानी उस शहर में दोहराना चाहते हैं जिसे और यह भी मुमकिन नहीं है कि उनके अभिभावकों ने इस सबका खुद बहुत अनुभव लिया होगा। लेकिन, जिस देश ने आधुनिक विश्व को पूंजीवादी सपना दिया और जो शहर तेज कामयाबी का प्रतीक माना जाता है, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है, वे सब डेमोक्रेटों के नियंत्रण में हैं। और ममदानी उस 'दस्ते' के भी बाएं खड़े हैं। जिस शहर को पूंजीवादी सफलता का ब्रांड-दूत होना चाहिए था, यह उसका विरोधाभास है। या ऐसा तो नहीं है कि इस तरह की सफलता आंततः समाजवाद के लिए जमीन तैयार करती है? कि आप इतने अमीर हो गए हैं कि समाजवाद की छूट दे सकते हैं? यूरोप ने जब खूब अमीरी हासिल कर ली तब धुर वामपंथ की ओर मुड़ गया था, और अब रास्ता बदल रहा है। समृद्ध समाजों में समाजवाद प्रवासियों को आकर्षित करता है और इसके साथ नस्ली, धार्मिक लाखों भारतीयों ने मुख्यतः आर्थिक शरणार्थी के रूप में अपना नया घर बनाया है। ममदानी इतनी कम उम्र के हैं कि उन्होंने ये सारे विचार भारत से शायद ही लिए होंगे, ऐसा स्वेडिनेविया में भी हुआ, जिसे सर्वश्रेष्ठ समाजवाद का घर माना जाता है। भारत की समस्या यह है कि बुरे विचारों ने इसका पीछा कभी नहीं छोड़ा। केवल अच्छे लोग और सर्वश्रेष्ठ दिमाग इसे छोड़कर चले गए। सबसे शानदार, सबसे महत्वाकांक्षी, उद्यमी भारतीयों ने अमेरिका को अपना घर बना लिया। वे हमारे फर्जी समाजवाद से नहीं, तो आखिर किससे भाग रहे थे? आज जो भी भारतीय 'डंकी रूट' की खातिर अपना जीवन जोखिम में डालता है, वह समाजवाद से भाग रहा होता है। जांच कीजिए कि सरकार वितरणवादी जनकल्याण पर कितना खर्च कर रही है और दक्षिणपंथी मानी गई भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय समाजवादियों की रेवड़ी संस्कृति को आज किस हद तक अपना लिया है। जिस देश ने विश्व को पूंजीवादी सपना दिया, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पुकार! किसी के पास कान हो तो सुने!

हर तरफ बादल हैं। बारिश है। बाढ़ भी। पहाड़ों पर तबाही ज्यादा है। वे सरक रहे हैं। दरक रहे हैं। मैदानों में हमेशा की तरह कहीं भारी बारिश। कहीं बूंदा-बांदी। लेकिन बिहार जहां इन? दिनों अमूमन बाढ़ होती है, फिलहाल सूखा है। गर्मी है। चुनावी गर्मी। यहां चुनाव होने हैं अक्टूबर-नवम्बर में, लेकिन चुनावी गर्मी अभी से सिर चढ़कर बोल रही है। कभी विरोधी दलों के लोग, लालू यादव को चारा खाते दिखा रहे हैं। कहीं तेजस्वी और लालू, नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कस रहे हैं। सवाल पर सवाल। जवाब पर जवाब। बाकायदा एक-दूसरे के खिलाफ चौराहों पर पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। दरअसल, बिहार में चुनाव, मुद्दों और मसलों पर कम, जातीय गणित के हिसाब से ज्यादा जीते जाते हैं। बारिश के दिनों में वर्षों से आधे से ज्यादा बिहार पानी में डूबा रहता है। लोग सड़कों पर अपना डेरा बांधते हैं और चौमासा वहीं गुजारते हैं। कोई स्थायी इलाज नहीं। कोई पुख्ता उपाय नहीं। कोई रहने-खाने का इंतजाम नहीं। जातीयता हर बाढ़ और हर आफत पर भारी है। इस जातीय गणित ने पूरे राज्य का बंटाधार कर रखा है। जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को वहां हराना है तो नीतीश कुमार और लालू यादव के राजद को साथ आना होता है। जहां तक राजद की बात है, बिहार में यादवों की संख्या या प्रतिशत काफी है, इसलिए लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश कुमार को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं। हालांकि राज्य की राजनीति में उनकी पार्टी का कोई ज्यादा योगदान नहीं रहा क्योंकि वे केंद्र की राजनीति में ज्यादा भरोसा करते हैं। जितने सांसद लड़ाते हैं, अक्सर सब के सब जीत ही जाते हैं। यहां अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों का अंदाजा लगाया जाए तो लोगों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी या आसमानी सुल्तानी नहीं हुई, तो ये नतीजे भी हरियाणा या बहुत हद तक महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से ज्यादा अलग नहीं होंगे। हरियाणा में भाजपा की एकतरफा जीत हुई थी जबकि महाराष्ट्र में मिली-जुली। महाराष्ट्र के नतीजे इस तरह आए थे कि भाजपा से उसके दोनों साथी यानी शिंदे सेना और अजित पवार किसी तरह की सौदेबाजी की सूरत में नहीं रहे थे। यही वजह है कि वहां फडणवीस सरकार मजे से चल रही है। दोनों सहयोगी दलों में से एक बगावत भी कर ले तो सरकार की सेहत पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। इधर उत्तर भारत में रह-रहकर बादल बरस रहे हैं। गलियां, सड़कें सुड़क-सुड़क कर रही हैं। वाहन चीखें मार रहे हैं। दिन उगता है तो लगता है जैसे सूरज शर्मीला चम्पा का फूल हो! उठने से पहले ही जैसे डूबने को होता है। सांझ से ही सन्नाटा छा जाता है। बारिश की मंद-मंद फुहारें, जैसे पाला पड़ रहा हो! बूढ़ा आकाश शाम से ही ऊंघने लगता है। उसकी आंखों में नींद साफ देखी जा सकती है। कीचड़ और पानी के मिलन के बीच सड़कों पर पैदल चलते आदमी की तो पूछिए मत! वो सबको झेल रहा है। दोपहिया-चार पहिया वाहनों को भी और ऊपर से बरसते पानी को भी। सरकारें, प्रशासन और प्रशासनिक अफसर दुबके पड़े हैं। उन्हें किसी की पड़ी नहीं है। आम आदमी बेहाल है। अपनी पीड़ा किससे कहे? कहां जाए? सरकार में, प्रशासन में, मंत्री, संतरी, अफसर, बाबू, किसी के पास कान हों तो सुने! युगों-युगों से आम आदमी के तो दो ही मजबूत आसरे रहे हैं। पैरों में रास्ता और सिर पर आसमां। बड़ी बर्दाश्त है इसके भीतर। कभी बड़ा बेखौफ होकर बोलता था। अब उसके मुंह में मूंग ओर दिए गए हैं। उससे बोलते नहीं बनता। सबकुछ भीतर दबाए फिरता है। इधर से उधर। उधर से इधर। इस इधर-उधर में अक्सर भूल ही जाता है कि उसका सिरा आखिर कौन-सा है! ये आम आदमी जो वर्षों से सपने देख रहा था, उन्हें खुद ही धुलते हुए, बहते हुए देखने को विवश है। विवश है कि बड़े-बड़े वादे करके वोट ले जाने वाले लोग अचानक गायब हो जाते हैं और वे वादे वहीं गलियों में, टूटी-फूटी सड़कों पर पड़े कुचलते रहते हैं। सड़ते रहते हैं। फिर भी वह अपने ही सपनों को, अपने ही पैरों तले कुचलते हुए, दबते हुए देखता रहता है। उसे आजादी है तो सिर्फ इतनी कि इन मची हुई सड़कों, गलियों में सकुचाते हुए चलता भर रहे। बस! इससे ज्यादा कुछ नहीं। कुछ भी नहीं।बिहार में जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को हराना है तो नीतीश और लालू को साथ आना होता है। और लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं।

चिंतन कर रहे हों तो उस समय गहरी सांस लेते रहें

हम लोग अपनी बुद्धि का भी सही उपयोग नहीं कर पाते हैं। अधिकांश मौकों पर हमारी बुद्धि

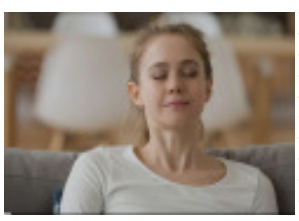

का संचालन मन करता है। जबकि संचालन होना चाहिए मस्तिष्क, हृदय द्वारा। मन के कुटिल विचार बुद्धि को भी गलत रास्ते पर ले जाते हैं। सुबह घर से निकलने से पहले अपने ही नजरिए पर काम करिए। किसी विषय पर आप सोचते हैं कि ऐसा करें तो एक-दो बार यह भी सोचिए कि ऐसा क्यों ना करें। अलग-अलग नजरिए से देखने पर बुद्धि संतुष्ट होती है। उसे लगता है कि मेरा मालिक मुझे मांज रहा है, विकल्प दे रहा है, बुद्धिमान होने की तैयारी कर रहा है। और जब आप बुद्धि के साथ मन को हटाकर हृदय या मस्तिष्क के प्रभाव में काम करते हैं तो यह बिल्कुल ऐसा होता है जैसे गहराई में उतरना। बुद्धि को जब गहराई में ले जाएं किसी विषय की तो बेचैनी होगी, थकान होगी। लेकिन आंख बंद करके सांस को बुद्धि से जोड़िए। बुद्धि को यदि सांस का समर्थन मिला तो शायद मन का दुष्प्रभाव उस पर नहीं पड़ेगा। इसलिए जब चिंतन कर रहे हों तो गहरी सांस लेते रहें, आप उस समय बुद्धि का सदुपयोग कर जाएंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बदल दिया पैंतरा,डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की नहीं गलेगी दाल

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25फीसदी टैरिफ लगाने के लिए आधिकारिक नोटिस जारी कर दिया है। भारत पर पहले से ही 25फीसदी टैरिफ लगाया गया है और 27 अगस्त से अतिरिक्त टैरिफ लागू हो जाएगा। इस तरह भारत से आने वाले सामान पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगेगा। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए दूसरे देशों से प्रतिस्पर्द्धा करना मुश्किल होगा। लेकिन ट्रंप के टैरिफ के असर को कम से कम करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमर कस ली है। मोदी ने 15 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले से एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार जीएसटी सुधारों की दिशा में आगे बढ़ रही है। जीएसटी में अभी चार स्लैब हैं जिनमें से दो स्लैब खत्म करने का प्लान है। इससे खासकर खाने-पीने की चीजें काफी सस्ती हो जाएंगी और ग्राहकों को फायदा होगा। प्रधानमंत्री की इस घोषणा से कई सरकारी अधिकारी भी हैरान थे। पिछले एक साल से सरकारी अफसर जीएसटी में बदलाव करने की बात कर रहे थे। लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ था।ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के एक अधिकारी ने बताया कि इस बारे में बातचीत चल रही थी पर घोषणा करने में कुछ महीने और लगते। लेकिन अमेरिकी टैरिफ के कारण मोदी सरकार जीएसटी में बदलाव जैसी नीतियों को जल्दी से लागू कर रही है। इससे अर्थव्यवस्था में भरोसा बढ़ेगा और ग्रोथ में तेजी आएगी। कई साल से ट्रेडर्स और अर्थशास्त्री कह रहे थे कि कुछ सुधारों की वजह से निवेश रुका हुआ है। मोदी ने नीतियों में बदलाव करने के लिए दो बड़ी कमेटियां बनाई हैं।एक कमेटी की अगुवाई कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन कर रहे हैं। यह कमेटी राज्यों में नियमों को आसान बनाने पर ध्यान देगी। दूसरी कमेटी के प्रमुख राजीव गाबा हैं जो नीति आयोग के सदस्य हैं। यह कमेटी अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए सुझाव देगी। हाल ही में मोदी ने अपनी आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ बैठक की। इसमें अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए सुझाव लिए गए। बैठक में कई अर्थशास्त्रियों ने कहा कि मार्च 2026 तक 6.5 फीसदी विकास दर हासिल की जा सकती है। कम महंगाई और ब्याज दरों में कटौती से अर्थव्यवस्था को मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने के लिए नीति में बदलाव जरूरी हैं।भारत की इकॉनमी अभी स्थिर है। इसलिए, सरकार के पास मुश्किल सुधार करने का मौका है। महंगाई 8 साल के सबसे निचले स्तर पर है। स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने 18 साल में पहली बार भारत की क्रेडिट रेटिंग बढ़ाई है। मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी आंकड़े अच्छे हैं। इससे सुधारों को तेजी से आगे बढ़ाने का मौका मिलता है, ताकि हम विकास की अगली सीढ़ी पर चढ़ सकें।

फंड दिया-प्रचार किया, ट्रम्प को सपोर्ट कर पछता रहे भारतीयःबोले-टैरिफ से सरकार को फायदा, हमें नुकसान; खतरे में नौकरी

नयी दिल्ली। 'ट्रम्प की पार्टी में बहुत से ऐसे नेता हैं, जो दूसरे देशों से आने वाले लोगों से नफरत करते हैं। ट्रम्प के करीबी नेता हों या उनके सलाहकार ज्यादातर की सोच प्रवासियों के खिलाफ है। उनके लिए अमेरिका फर्स्ट सबसे बड़ा नारा है और वो उसी पर काम कर रहे हैं। अब पढ़ने या काम करने के लिए भारत से अमेरिका जाना मुश्किल

हो गया है। वीजा के लिए लंबी वेटिंग चल रही है।' अमेरिका में रिपब्लिकन हिंदू कोएलिशन की मेंबर ज्योत्सना शर्मा यहां की राजनीति में भी एक्टिव हैं। वो ट्रम्प की समर्थक भी हैं। 2015 में इंडियन अमेरिकन बिजनेसमैन शलभ कुमार ने ये कोएलिशन बनाया। इसका मकसद अमेरिकी राजनीति में हिंदू-अमेरिकन और इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी को रिपब्लिकन पार्टी के साथ जोड़ना रहा। ये ग्रुप अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के लिए लॉबिंग करता है। इसका काम वहां भारतीयों के मुद्दे उठाना और भारत-अमेरिकी संबंधों को मजबूत करना है। अमेरिका में ट्रम्प के चुनाव प्रचार में रिपब्लिकन हिंदू कोएलिशन ने जमकर मेहनत की। रिपब्लिकन पार्टी की नीतियों का समर्थन किया। ट्रम्प को राष्ट्रपति बने करीब 8 महीने का वक्त बीच चुका है, लेकिन अब तक अमेरिका में रहने वाले उन भारतीयों के हाथ निराशा ही लगी है, जिन्होंने ट्रम्प के लिए प्रचार किया और फंडिंग की। अमेरिका में भारतीयों के लिए इन 8 महीनों में क्या बदला, हमने वहां रह रहे लोगों से समझने की कोशिश की। साथ ही इस बदलाव के पीछे वजह पर भी जानी।ज्योत्सना शर्मा करीब 20 साल से अमेरिका में रह रही हैं। अभी वो न्यूजर्सी में आईटी प्रोफेशनल हैं। वो अमेरिका में रिपब्लिकन हिंदू कोएलिशन की मेंबर भी हैं। ज्योत्सना बताती हैं, 'अमेरिका में इंडियन स्टूडेंट स्टडी वीजा लेकर आ जाते हैं। हालांकि, उनका मकसद यही होता है कि वो अमेरिका में ही बस जाएं। इसके लिए कई बार वो अमेरिकन से शादी करके सिटिजनशिप लेना चाहते हैं।' 'भारत से पढ़ने आए ज्यादातर स्टूडेंट सोचते हैं कि उन्हें कोई नौकरी मिल जाएगी, लेकिन ज्यादातर खाली घूम रहे हैं। नामी कॉलेजों से पढ़कर आए स्टूडेंट भी अपने सीवी लेकर घूम रहे हैं, क्योंकि यहां जॉब मार्केट की हालत बहुत खस्ता चल रही है। टैरिफ बढ़ने की वजह से महंगाई बढ़ने की आशंका है। हाउसिंग मार्केट में भी सुस्ती है।' ज्योत्सना बताती हैं, 'अमेरिका में अगर कोई भी स्टूडेंट वीजा की तय मियाद से ज्यादा रुकता है तो सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्हें भी डिपोर्ट करने की तैयारी चल रही है। वीजा रिजेक्शन पहले की तुलना में बहुत ज्यादा होने वाले हैं।'ज्योत्सना खुद भी अमेरिकन छ्ञ कंपनी में बिजनेस डेवलपमेंट डायरेक्टर के तौर काम करती हैं। वो बताती हैं, 'बाइडेन सरकार के वक्त हमारी कंपनी को कई सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स मिले थे। अब जब कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिलता तो कंपनी का बिजनेस नहीं होता और नौकरियां जाती हैं। अमेरिका में बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरियां जा रही हैं।' एच1-बी वीजा पहले लॉटरी सिस्टम पर आधारित था। लिहाजा कम सैलरी वालों को भी एच1-बी वीजा मिल जाता था। कई भारतीय कम सैलरी पर भी आकर काम करते थे और ओवरवर्क करते थे। इसकी वजह से 9 से 5 की जॉब करने वाले अमेरिकियों को दिक्कत होती थी। उन्हें नौकरी से निकाला जाने लगा था। अब नियमों में बदलाव होगा तो एच1-बी वीजा सिर्फ ज्यादा सैलरी वालों को मिलेगा।'23 साल के मनप्रीत सिंह (बदला हुआ नाम) पंजाब के रहने वाले हैं। दो साल से अमेरिका में पढ़ाई कर रहे हैं। मनप्रीत ने भी पढ़ाई के रास्ते अमेरिका में बसने का प्लान बनाया था, लेकिन वीजा को लेकर बदल रहे नियमों से वो निराश हैं। वो कहते हैं, 'मैं जब अमेरिका आया था, तब बाइडेन प्रेसिडेंट थे। उम्मीद थी कि वीजा एक्सटेंशन मिल जाएगा और हम यहां नौकरी कर सकेंगे। बाद में ग्रीन कार्ड लेकर यहीं रह जाएंगे, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अभी यहां जो भी भारतीय रह रहे हैं, उन्हें महसूस करा दिया गया है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें अपने देश लौटना ही होगा।' अमेरिका में जॉब के लेवल पर भी अब काफी चैलेंज है। आमतौर पर अमेरिका में पढ़ने जाने वाले स्टूडेंट्स पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम जॉब भी करते हैं, ताकि अपना खर्च निकाल सकें। मनप्रीत बताते हैं कि अब अमेरिका के जॉब मार्केट में इतनी दिक्कत है कि जो फुलटाइम नौकरियां करते थे, उनकी नौकरियां भी जा रही हैं। अमेरिका में वकालत पेशे से जुड़े 34 साल के एक युवा ट्रम्प सरकार पर बात करते हुए अपनी पहचान सामने नहीं लाना चाहते। उन्हें डर है कि कहीं उनका अमेरिका में रहना मुश्किल ना हो जाए या उन पर कोई कार्रवाई ना हो जाए। वे कहते हैं, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि अमेरिका में रहते हुए हमारे आजादी से बोलने पर भी पाबंदी जैसी कोई बात हो सकती है। इसे लेकर कोई कानूनी पाबंदी तो नहीं है, लेकिन डर का माहौल इतना ज्यादा है कि कोई कुछ खुलकर नहीं बोल सकता, खासतौर पर भारतीय।'अंकुश भंडारी चंडीगढ़ के रहने वाले हैं। वो भी करीब 20 साल से अमेरिका में रह रहे हैं। अंकुश अमेरिका में स्थायी तौर पर रहते हैं और छ्ञ इंडस्ट्री में काम करते हैं। शुरू में वो वर्क वीजा पर अमेरिका आए थे, फिर ग्रीन कार्ड हासिल कर लिया। अंकुश ना सिर्फ ट्रम्प की नीतियों के समर्थक रहे हैं, बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के भी मेंबर हैं। उन्होंने अमेरिका के चुनाव प्रचार में भी प्रमुखता से काम किया है। वो कहते हैं, 'ट्रम्प के दूसरे टर्म में कुछ बदलाव जरूर आए हैं। अगर कोई मेयर या गवर्नर ही बदल जाता है तो जिंदगी पर असर पड़ता है, ऐसे में जब नया प्रेसिडेंट आएगा तो बदलाव होने में कोई ताज्जुब नहीं है। नई सरकार आने के बाद सरकारी तंत्र में चुस्ती आई है, काम पहले की तुलना में तेजी से हो रहे हैं।''वहीं जो ग्रीन कार्ड या सिटीजनशिप लेने की प्रक्रिया के बीच में हैं। उन्हें भी थोड़ी टेंशन हो रही है कि ऐसा कोई कानून ना आ जाए जिससे उनका प्रोसेस रुक जाए और उन्हें भारत लौटने के लिए मजबूर होना पड़े।' टैरिफ वॉर को समझाते हुए अंकुश कहते हैं, 'टैरिफ वॉर से सरकार को करोड़ों डॉलर्स का फायदा हो रहा है, लेकिन आम लोगों को तो फिलहाल नुकसान ही होगा। लॉन्ग टर्म में फायदा हो सकता है जब कंपनियां यहां आएंगी।' अंकुश कहते हैं, 'हालांकि महंगाई बढ़ गई है। पहले मैं जो ग्रॉसरी 40-45 डॉलर में ले आता था, उसके लिए अब 55-60 डॉलर तक खर्च करने पड़ते हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हालात बेहतर होंगे।'अंकुश कहते हैं, 'डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी की वजह से कई सरकारी विभागों से लोगों को नौकरियों से निकाला गया है। इससे सरकारी विभागों के कामकाज में फुर्ती आई है। वो पहले के मुकाबले ज्यादा एफिशिएंट (दक्ष) हो गए हैं।' 'पिछली सरकार में मैंने एक काम के लिए सरकार को मेल किया था, जिसका जवाब आज तक नहीं आया। अमेरिका में ट्रम्प सरकार बनने के बाद मैंने एक सरकारी विभाग में कामकाज के लिए मेल किया, उसका जवाब 3 दिन में ही आ गया। सिर्फ यही नहीं लोकल पुलिस प्रशासन भी काफी एक्टिव है। ट्रम्प के दौर में कानून व्यवस्था में तेजी से सुधार आ रहा है।''अमेरिका में गैरकानूनी रास्ते से आने वालों को वापस जाना होगा' अमेरिका के लॉस एंजिलस में रहने वाले शयान अली पाकिस्तान के सिंध प्रांत से हैं। हालांकि, वो खुद को पाकिस्तानी नहीं मानते। सिंधी कहलाना पसंद करते हैं। शयान पाकिस्तान की इंटेलिजेंस एजेंसी घ्घ के सताए हुए हैं। अब उन्होंने इस्लाम छोड़कर हिंदू धर्म अपना लिया और कृष्ण की भक्ति में लगे रहते हैं। शयान रिपब्लिकन पार्टी के लॉस एंजिलस में यूथ सेक्रेटरी हैं। वे ट्रम्प और रिपब्लिकन पार्टी के कट्टर समर्थक हैं। शयान कहते हैं, 'कोई किसी भी देश का रहने वाला हो, अगर वो अमेरिका में गैरकानूनी तरीके से आया है तो उसे वापस जाना ही होगा। अगर कोई स्टूडेंट वीजा, विजिटर वीजा, एच1-बी वीजा पर आ रहा है तो कानूनी रूप से आने वालों को कोई मनाही नहीं है।' 'अगर कोई अमेरिका आकर उसी के खिलाफ गतिविधियों में शामिल होगा, फिलिस्तीन का समर्थन करेगा तो उसे दिक्कत हो सकती है। अगर हम ट्रम्प के दूसरे टर्म और ओबामा के पहले टर्म की तुलना करें तो जितने लोगों को ओबामा ने डिपोर्ट किया था, अभी आंकड़ा उससे काफी कम है।' क्या अमेरिका में लोग ट्रम्प के इन फैसलों को लेकर नाराज नहीं है? इसके जवाब में शयान कहते हैं, 'ट्रम्प वही सब कर रहे हैं, जो वादे उन्होंने चुनाव से पहले किए थे। अमेरिका में जो काम करने या पढ़ने आ रहा है, उसके लिए जरूरी है कि वो अमेरिकी कानूनों का पालन करे। आप जिस थाली में खा रहे हो, उसमें छेद नहीं करना चाहिए। अमेरिका ने पूरी दुनिया के लोगों का स्वागत किया, अमेरिका तो देश ही प्रवासियों का है।' 'ट्रम्प ने पिछले 6 महीने में जो किया, वो सारे वादे उन्होंने चुनाव में किए थे। लोगों ने प्रेसिडेंट ट्रम्प को इसी वजह से वोट दिया।'भारत सरकार के मार्च में संसद में दी जानकारी के मुताबिक, जनवरी 2025 के बाद से अब तक 388 भारतीयों को डिपोर्ट किया है, जिनमें से 333 सीधे चार्टर्ड उड़ानों से और 55 कॉमर्शियल फ्लाइट्स से आए थे। जनवरी 2025 से जुलाई तक कुल 1,703 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। यानी रोजाना 8 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया, जो बाइडेन प्रशासन की तुलना में तीन गुना ज्यादा है। अमेरिका का कहना है कि ये ऐसे भारतीय हैं जो अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुए और वहां रह रहे थे।हमने इसे लेकर रिपब्लिकन पार्टी में भारतीय मूल के लीडर्स से भी बात की। नाम ना छापने की शर्त पर वो बात करने को राजी हुए। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के लिए इलेक्शन फंड भी रेज किया और चुनाव प्रचार में शामिल रहे। करीब 20 साल से वो रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े हैं।उन्होंने बताया, 'पहले की बाइडेन सरकार भारतीयों के प्रति इतनी सख्ती नहीं करती थी। अब तो अगर किसी भी स्टूडेंट के खिलाफ ट्रैफिक से जुड़ा कोई छोटा-मोटा मामला भी हो तो पुलिस उसके पीछे पड़ जाती है। मुझे पता चला है कि करीब 5 करोड़ लोगों को इस तरह से डिपोर्ट करने की तैयारी चल रही है।' हमने पूछा कि ट्रम्प का भारतीय मूल के लोगों के साथ इस रवैए की वजह क्या है? वो जवाब में कहते हैं, 'ट्रम्प के आखिरी इलेक्शन में इंडियन अमेरिकन कम्युनिटी ने ट्रम्प के लिए कोई खास फंड रेजिंग नहीं की। इसकी वजह से ट्रम्प नाराज हैं। पीएम मोदी भी इलेक्शन से पहले अमेरिका के लॉन्ग आइलैंड में आए, लेकिन ट्रम्प से मिले बिना ही चले गए।' वहीं भारतीय मूल के न्यूजर्सी के नेताओं का कहना है कि वो ट्रम्प प्रशासन के संपर्क में हैं और उनके साथ बैठकें भी कर रहे हैं। वो कहते हैं 'हमारी कोशिश है कि भारत और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव को कम किया जाए। हम ट्रम्प के सलाहकारों को भी समझाने की कोशिश कर रहे हैं।' 'पता नहीं ट्रम्प के मौजूदा सलाहकार कौन सा इतिहास पढ़कर आए हैं। भारत और अमेरिका के पिछले कुछ सालों से बहुत अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन वो उसे पीछे ले जा रहे हैं। अमेरिका में हर काम लॉबिंग के जरिए होता है, जिसमें मोटा पैसा खर्च करना होगा। हम उस रास्ते से भी ट्रम्प सरकार को मनाने की कोशिश कर रहे हैं।'

'जैसी चाहिए, वैसी लड़की मिलेगी, कीमत डेढ़ लाख',एजेंट बोला-आज ही शादी करा दूंगा,हिंदू-मुस्लिम कुछ भी देंगे

पटना। 'हम आपको लड़की देंगे, जैसी चाहिए वैसी। आप लड़का भेजिए या लेकर आइए, या फोटो देखकर पसंद कर लीजिए। पैसा डेढ़ लाख लगेगा। लड़की पढ़ी-लिखी नहीं होगी। हिंदू समाज की मिलेगी। मुस्लिमों की लड़कियां बहुत कम मिलती हैं। अभी मेरे पास एक लड़की है। उम्र 23 साल है। देखने में ठीक है। चाहो तो आज ही शादी करा सकता हूं।' लड़की दिलाने की बात कर रहे इस शख्स का नाम उमेश है। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर का रहने वाला है। उमेश उस गैंग का हिस्सा है, जो फर्जी दुल्हन तैयार करती है। लड़के वालों से पैसे लेकर उनकी शादी कराती है। फिर दुल्हन कुछ दिनों में ससुराल से गहने-पैसे लेकर फरार हो जाती है। इन पैसों में भी उमेश जैसे एजेंट का हिस्सा होता है। अगर लड़के वाले लड़की को ढूंढते हुए इनके पास आएं, तो दहेज हत्या जैसे आरोप लगाकर ब्लैकमेल कर और पैसे मांगते हैं। ये चौकाने वाली खबर एक न्यूज़ पोर्टल के स्टिंग ऑपरेशन में सामने आयी जो की आम लोगो के लिए जानना महत्वपूर्ण हैं। ऑपरेशन फर्जी दुल्हन चलाकर ऐसी एक गैंग का खुलासा किया है। इस सीरीज के पहले पार्ट में आपने पढ़ा कि कैसे भास्कर रिपोर्टर गैंग में शामिल हुए। शादी के लिए डील की। फिर 6 रिपोर्टर दूल्हा बनकर 25 अगस्त को पश्चिम चंपारण के बलथर गांव पहुंचे। साथ में बाराती बने पुलिसवाले थे। पुलिस ने यहां से गैंग के 6 मेंबर, एक महिला एजेंट और 5 नकली दुल्हनों को अरेस्ट किया। 20 मई, 2025 को पश्चिमी चंपारण के योगापट्टी थाने में फर्जी दुल्हन का केस सामने आया था। यहां के रामबाबू ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी शादी के दो महीने बाद घर से जेवर, पैसे और कीमती सामान लेकर चली गई है। दरअसल रामबाबू फर्जी दुल्हन वाली गैंग का शिकार बन गए थे। स्टिंग ऑपरेशन टीम ने इसी केस को एक सिरा बनाया। ये तो तय था कि पश्चिम चंपारण में फर्जी दुल्हनों का गैंग एक्टिव है। इसे एक्सपोज करने के लिए 25 मई, 2025 को पटना से 260 किमी दूर पश्चिमी चंपारण के बगहा पहुंचे और पड़ताल शुरू कर दी। टीम बगहा में सोर्स के जरिए गैंग तक

पहुंचने का रास्ता खोज रही थी। इसका क्लू नगर परिषद ऑफिस के पास एक चाय की दुकान पर मिला। वहां शादी की बात करते ही चायवाले ने कहा कि मधुबनी में कुछ लोग हैं, जो शादी कराते हैं। उन लोगों की तलाश में बगहा से मधुबनी पहुंच गए। यहां के धनहा थाने से पता चला कि हाल में लड़कियों की तस्करी करने वाली गैंग को गिरफ्तार किया गया है। गैंग के 4 मेंबर जेल में हैं। पुलिस में एक सोर्स ने बाल्मीकि नगर में शादी कराने वाली एक महिला के बारे में बताया। फिर टीम मधुबनी से 80 किमी दूर बाल्मीकि नगर पहुंच गई। यहां महिला के बारे में कहीं से पता नहीं चला। यहां पता चला कि 90 किमी दूर भैरोगंज में ऐसा एक गैंग है। तब वहां से भैरोगंज पहुंचे, तो मालूम हुआ कि हाल में पुलिस की रेड के बाद गैंग के मेंबर अंडरग्राउंड हो गए हैं। जब टीम ने थाने जाकर पुलिस से गैंग की जानकारी मांगी। तो बताया गया कि गैंग के मेंबर ये एरिया छोड़कर चले गए हैं। एक सोर्स से उमेश का नंबर मिला। हमने उमेश को कॉल किया। बताया कि हम ळझ से हैं। हमें शादी के लिए लड़कियां चाहिए। ळझ में सरकार की सख्ती है, इसलिए बिहार में काम करना चाहते हैं। उमेश ने हमें मिलने के लिए 20 किमी दूर उसके गांव रामनगर बुलाया। उसने गांव के बाहर एक बाग में मिलने के लिए कहा। करीब एक घंटा इंतजार कराने के बाद वह मिलने आया। एक लड़के की शादी कराने के बहाने उमेश से बातचीत शुरू की। बातचीत से लगा कि उमेश अहम कड़ी हो सकता है। उसके जरिए गैंग के बाकी मेंबर्स तक पहुंच सकते हैं। स्टिंग ओप्रशन टीम- पैसा हमारे पास बहुत है, लड़की पटना के आसपास बहुत कम है। उमेशः ठीक। स्टिंग ओप्रशन टीम- बिहार में पैसा नहीं है, पैसा तो बाहर ही है। मेरे पास एक पार्टी है। बताइए आपके पास क्या सुविधा है? उमेशः सुविधा क्या, लड़की दे देंगे। शादी कराएंगे। अनपढ़ लड़की मिलेगी। पढ़ी-लिखी नहीं होगी। हिंदू समाज की मिलेगी, मुस्लिम समाज में बहुत कम मिलती हैं। हम आपको लड़की देंगे। जैसी चाहिए वैसी देंगे। पैसा डेढ़ लाख काफी है। स्टिंग ओप्रशन टीम- आपका कितना होगा, इसी में है या अलग? उमेशः नहीं, मेरा भी उसी में होगा। अभी एक लड़की है हमारे पास। शादी करवा देते हैं। आज बुला लीजिए। हमने उनसे बोला है कि आज शाम तक लड़का आ जाएगा। आप आइए और लेकर चले जाइए। स्टिंग ओप्रशन टीम- हम एक लड़का लाएंगे, उसके सामने रेट की बात मत कीजिएगा। उमेशः नहीं, हम क्यों करेंगे। कोर्ट, मंदिर, घर, जहां करना हो बताइए, करवा देंगे। एग्रीमेंट दो महीने के लिए, चार महीने के लिए, दो साल के लिए, जैसा चाहिए हो जाएगा।स्टिंग ओप्रशन टीम- बनारस में एक लड़का है, हमें उसके लिए चाहिए। आप लड़की दिखा दीजिए। एग्रीमेंट की बात करा दीजिए कि कितना पैसा लेंगे।उमेशः हो जाएगा। एग्रीमेंट में काम का लिखेंगे। दो साल के लिए बनवाएंगे। वैसे हम एग्रीमेंट पर नहीं, परमानेंट भेजते हैं। नहीं तो दो महीने, चार महीने, साल भर के लिए भेजते हैं। तब एग्रीमेंट नहीं करते। तभी फोन की घंटी बजती है। उमेश फोन पर बोलता है- हम आ रहे हैं। बैरठिया बस स्टैंड पर हैं। बातचीत फिर शुरू होती है। स्टिंग ओप्रशन टीम- एग्रीमेंट में ज्यादा फायदा है, पार्टी ढाई लाख रुपए देने के लिए तैयार है। हम फंसेंगे, उससे अच्छा है एग्रीमेंट करा लें। दो साल बाद फिर करा लेंगे। फिर ढाई लाख दे देंगे। उमेशः ठीक है, मेरा नंबर ले लीजिए। कोई दिक्कत नहीं आएगी, हम आपस में एग्रीमेंट कर लेंगे। रामनगर चलिए, लड़की दिखवा देंगे। स्टिंग ओप्रशन टीम- यूपी के सीतापुर की पार्टी है। कह रही है कि एग्रीमेंट कराकर जाएंगे, नहीं तो बाद में दिक्कत होगी।उमेशः जहां चाहिए, करा देंगे, कोर्ट से मंदिर तक कागज बनवा देंगे। उमेश को भरोसा हो गया। उसने बिहार से देश के दूसरे राज्यों में चल रही फर्जी दुल्हन गैंग के बारे में बताया। उमेश ने रामनगर में एक मीटिंग फिक्स की और हमें गैंग के मास्टरमाइंड अली उर्फ राजू से मिलवाने की बात कही। लड़की लेकर आया अली, बोला- देख लीजिए, बाकी बात बाद में करेंगे। रामनगर में ही हम अली उर्फ राजू से मिले। हम उमेश के साथ आए थे, इसलिए अली ने हमसे खुलकर बात की। उसने बताया कि पश्चिमी चंपारण में ऐसे कई गैंग काम करते हैं। सभी आपस में मिलकर काम करते हैं। कहीं किसी के पास काम आता है, तो वह दूसरे से कॉन्टैक्ट करता है। अली और उमेश ने एक लड़की से मिलवाने की बात कही। दोनों रामनगर में ही एक बाग में ले गए। वहां पेड़ के नीचे पहले से एक लड़की बैठी थी। अली ने कहा- जाकर लड़की देख लीजिए, बाकी बात हम करेंगे। लड़की को दिखाने के बाद स्टिंग ओप्रशन टीम- लड़की ठीक है, पसंद है। अलीः हम आपके जैसा ही आदमी ढूंढ रहे थे। देखिए, हमारे पास बार-बार नेपाल से फोन आ रहा है। और लड़किया हम आपको नरकटियागंज में आपको दिखा देंगे।

भोजपुर में राहुल-तेजस्वी के स्वागत में लौंडा नाच,14वें दिन रोहिणी और अखिलेश यादव भी हुए शामिल

पटना। बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा आज 14वां दिन है। यात्रा सारण से शुरू होकर भोजपुर पहुंच गई है।

शनिवार को यात्रा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहुंचे। वे तेजस्वी यादव के गले मिले। यात्रा में

सारण से लोकसभा चुनाव लड़ चुकीं लालू यादव की बेटी रोहिणी भी शामिल हैं।

तेजस्वी, अखिलेश यादव और रोहिणी तीनों एक ही गाड़ी से हैं। पटना से यात्रा के लिए निकलने के दौरान तेजस्वी ने कहा, 'बीजेपी में हिंसक लोग हैं। गोडसे इनके पूर्वज हैं, जिन्होंने महात्मा गांधी को मारा। इनकी पार्टी में रेपिस्ट और भ्रष्टाचारी हैं।' भोजपुर जिले के बड़हरा विधानसभा के राजापुर में राहुल-तेजस्वी के स्वागत के लिए लौंडा नाच का आयोजन किया गया है।

खबर लिखे जाने तक वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, अखिलेश सिंह भोजपुर के कोइलवर पहुंचे हैं।30 अगस्त को यात्रा के 14वें दिन राहुल गांधी का काफिला सारण से निकल कर भोजपुर के बबुरा में पहुंच चुका है।राजद नेता मनोज कुमार झा ने 'इंडिया' गठबंधन की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर कहा, 'मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। यह यात्रा अब तेजस्वी यादव या राहुल गांधी के वश में नहीं रह गई है बल्कि जनता के दिल में उतर गई है।

जाहिर तौर पर इस यात्रा की जो गूंज सुनाई दे रही है, वह केवल बिहार में नहीं है बल्कि बिहार के बाहर तक पहुंच चुकी है।'भोजपुर के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में होनेवाली राहुल-तेजस्वी की सभा को लेकर नेताओं के बड़े-बड़े कटआउट लगाए गए हैं। भोजपुर के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में राहुल-तेजस्वी की सभा होगी। इसे लेकर खास तैयारी की गई है।भोजपुर जिले की 7 विधानसभा क्षेत्र में से 4 सीटों पर महागठबंधन का कब्जा है। राहुल गांधी की यात्रा आरा, बढ़हरा और संदेश विधानसभा के क्षेत्र को कवर करेगी। इन तीनों विधानसभा में महागठबंधन की पकड़ कमजोर मानी जाती है। छपरा के जंगा के बाद राहुल गांधी की यात्रा आरा में प्रवेश करेगी। राहुल यहां वीर कुंवर सिंह

स्टेडियम (रमना मैदान) में जनसभा को संबोधित भी करेंगे। आज की यात्रा के बाद 31 अगस्त को ब्रेक रहेगा।

1 सितंबर को पटना में यात्रा का आखिरी दिन होगा।वोटर अधिकार यात्रा सारण के एकमा से होते हुए दाउदपुर पहुंची है। यहां से भोजपुर की ओर काफिला बढ़ रहा है।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और बिहार के प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' के अंतिम चरण में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव शामिल हुए।छपरा के एकमा से राहुल गांधी की यात्रा शुरू हो चुकी है। राहुल के साथ तेजस्वी यादव और मुकेश सहनी मौजूद हैं। कांग्रेस समर्थक भी जुटने लगे हैं।दिल्ली में पोस्टर डिजायन का काम करने वाले नदीम मुनीर यात्रा में शामिल होने के लिए 3 दिन बाइक चलाकर छपरा पहुंचे।

वो खुद को कांग्रेस और राहुल गांधी का बड़ा फैन बताते हैं। नदीम भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुए थे।सारण जिले में 750 खिलाड़ी यात्रा में सम्मिलित हो रहे हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी सोनू कुमार के नेतृत्व में सभी खिलाड़ी 14 किलोमीटर तक यात्रा में साथ चलेंगे।राजद समर्थक शैलेन्द्र प्रताप ने कहा- तरैया विधानसभा में 25 हजार वोटर के नाम कटे हैं। आज वैसे लोग राहुल-तेजस्वी से मिलेंगे, जिन्हें चुनाव आयोग ने अपनी लिस्ट में मृत बताया है। तेजस्वी यादव ने कहा, 'यात्रा से बीजेपी घबराई हुई है। इसलिए सारे तंत्र-मंत्र इस्तेमाल किए जा रहे हैं। ये कुछ भी कर लें, सत्ता में लौटने वाले नहीं है।' कांग्रेस ऑफिस में हुए बवाल पर कहा, 'इनके पूर्वज गोडसे हैं, जिन्होंने गांधी जी को गोली मारी थी। ये लोग हिंसक शुरू से हैं। इस पार्टी में रेपिस्ट, भ्रष्टाचारी भरे हुए हैं।'समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश सिंह वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने के लिए पटना के होटल से निकल चुके हैं।

17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा 1 सितंबर को पटना में खत्म होगी। 16 दिनों में राहुल गांधी 23 जिलों की 50 विधानसभा सीट को साधने की कोशिश में हैं।वोटर अधिकार यात्रा को लेकर बड़हरा से भाजपा के विधायक राघवेंद्र प्रताप ने कहा कि, राहुल गांधी, तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के सभी शीर्ष के नेता बिहार का दौरा कर रहे हैं।

उनके दौरे से कोई विशेष इम्पैक्ट पड़ने वाला नहीं है।आरा के सांसद सुदामा प्रसाद ने बताया, महागठबंधन की लहर चल रही है। पूरे बिहार ने मन बना लिया है कि भाजपा को रोकेंगे। एक साथ 65 लाख लोगों का नाम काटना समझ से परे है। जिनका नाम काटा है, उन लोगों ने ही एक साल पहले लोकसभा चुनाव में वोट किया है। चुनाव आयोग बोल रहा है कि 2003 के बाद जिनका नाम चढ़ा है, उसका रिवीजन करेंगे। इस चुनाव में हार देखकर एनडीए गठबंधन के नेता हताशा में आ गए है। चुनाव आयोग के कंधे पर रखकर भारतीय जनता पार्टी बंदूक चल रही है।

थाना मानव तस्करी रोधी,जिला बाल संरक्षण इकाई,चाइल्ड लाईन सोनभद्र की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया बाल विवाह, मानव तस्करी रोकथाम जागरुकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी सोनभद्र, तस्करी के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया। जनपद स्तर विवाह के दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया। इस जागरुकता अभियान

बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में चलाये जा रहे बाल विवाह, मानव तस्करी के रोकथाम व जागरुकता अभियान के क्रम में आज दिनांक 29.08.2025 को थाना मानव तस्करी रोधी (एएचटी), जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाईन सोनभद्र की संयुक्त टीम द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज स्थित दंडइत बाबा मंदिर परिसर में बाल विवाह एवं मानव पर संयुक्त टीम द्वारा जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। एएचटी प्रभारी निरीक्षक हरेन्द्र यादव के द्वारा बताया कि मानव तस्करी व बाल विवाह से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है, बाल विवाह में बालिका कम उम्र में मां बनने से उनके जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। जिला बाल संरक्षण ईकाई से गायत्री दुबे व चाइल्ड हेल्पलाइन से मुकेश कुमार सिंह ने लोगों को मानव तस्करी और बाल के माध्यम से लोगों को मानव तस्करी और बाल विवाह के बारे में जागरूक किया जा रहा है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। इस अभियान में थाना एएचटी प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र यादव, मुख्य आरक्षी धनंजय यादव, आरक्षी पंकज कुमार, जिला बाल संरक्षण ईकाई से गायत्री दुबे व चाइल्ड हेल्पलाइन से परियोजना समन्वयक मुकेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

मांची में जल, जंगल, जमीन के लिए लगा लाल सलाम का नारा, जन समस्याओं को लेकर आयोजित हुआ भाकपा का जन चौपाल

नगवां बांध को स्थापित कराने का ग्रामीण आज भी झेल रहे हैं विस्थापन का दंश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/वैनी/खलियारी। शुक्रवार, सदर विधानसभा क्षेत्र के सुदूर क्षेत्र मांची गांव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी व खेत मजदूर यूनियन के बैनर तले जमीन पर मालिकाना हक आज तक नहीं दिया गया है। आज स्थिति यह है कि उस जमीन को वन विभाग अपनी बात जमीन बता कर उन्हें कई प्रकार से प्रताड़ित कर रहा है। वन

विगत गुरुवार की देर शाम तक चला ग्रामीणों का जन चौपाल । जहां विभिन्न समस्याओं के साथ जल, जंगल, जमीन व मौलिक अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए उपस्थित विभिन्न गांवों के ग्रामीणों ने पार्टी के प्रति अपनी एकजुटता दिखाते हुए लाल सलाम के नारे का आगाज़ किया और पार्टी के बैनर तले अपनी समस्याओं को लेकर लड़ाई को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई । जन चौपाल में नगवां बांध के विस्थापितों और जलमग्न हुए गांव के लोग उपस्थित रहे । जहां उपस्थित लोगों ने अपनी व्यथा और दर्द को बयां करते हुए कहा कि बांध निर्माण के दौरान उन्हें पास के जंगल क्षेत्रों में ज़मीन दे कर बसाया गया था। लेकिन उन्हें उस विभाग उनकी खेती को जेसीबी मशीन से नष्ट कर उन्हें बेदखल करने की पूरी कोशिश कर रहा है और मानसिक व आर्थिक शोषण करते हुए मुकदमे दर्ज कर रहा है। जबकि नौ गांव के सैकड़ों की संख्या ग्रामीणों ने नगवां बांध को स्थापित कराने में उन्होंने अपने पूर्वजों की जमीन और अपने बने बनाए घर गृहस्थी का त्याग कर दिया है। आज स्थिति विपरीत हो गई है, लोग अपने को बेघर समझ कर बंजारे की तरह जीवन यापन करने पर मजबूर हैं। लोगों के पास मतदाता परिचय पत्र है, राशनकार्ड है, आधार कार्ड है, वह सभी प्रकार के चुनावों में वोट भी देते आ रहे हैं, लेकिन सवाल बना हुआ कि उनके रहने वाली वह जमीन कहां है ? वह किसी स्थाई जमीन के मालिक नहीं है जिस आधार पर उपरोक्त कागजात बना दिया गया, वह मतदाता तो है पर उसके मकान का क्या पता है , यह किसी को पता नहीं , जो एक गंभीर सवाल है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि हम ग्रामीण आज भी नगवां बांध के निर्माण के दौरान से विस्थापित होकर विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। इस क्षेत्र में वन विभाग द्वारा वनाधिकार कानून का अधिनियम के तहत सही से क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है। वन विभाग और संबंधित अधिकारी तीन पीढ़ी का रिकॉर्ड मांग रहे हैं, जबकि वन अधिकार अधिनियम में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों पर लगाम लगाने की मांग की और विस्थापन नीति और वनाधिकार का लाभ दिलाने की बात कही, नहीं तो वह इसके लिए लामबंद हो कर लाल झंडे के नीचे बड़े आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेंगे। जहां जन चौपाल को भाकपा के जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा, सहसचिव कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा, खेत मजदूर यूनियन के नेता कामरेड चन्दन प्रसाद (पूर्व प्रधान - डोरिया) व कामरेड राम जनम मौर्या ने संबोधित किया और ग्रामीणों की समस्यायों को प्रशासन तक पहुंचाने तथा समस्याओं के समाधान हेतु आंदोलन की बात कही। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों में कांता, सुरेश, अमरनाथ अगरिया, नंदू गुर्जर, रामराज, रामपति बिंद, नौरंग अगरिया, करमू अगरिया व नन्दू यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता मांची के प्रधान भुनेश्वर ने तथा संचालन सरोज मास्टर ने किया।

खराब सर्विस लेन पर आए दिन होते हैं दुर्घटना:कौशल शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उद्योग बंधु की बैठक विकास भवन के सभागार में संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, कई बार सर्विस लेन खराब होने के कारण ई रिक्शा पलट चुका है जिसके कारण कई लोग घायल हो चुके हैं। उपरोक्त के संबंध में संबंधितों को कई प्रयास किए जाएं एवं सरकार की भी यही मनसा है। बैठक में यह भी मुद्दा उठाया गया कि वाणिज्य कर विभाग के सचल दल द्वारा बिना ई वे बिल के

इन्वेस्टर एवं व्यापारी मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त उद्योग विनोद चौधरी ने किया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन सोनभद्र के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि फ्लाईओवर के निर्माण के समय एक नाला उपसा द्वारा बनाया गया था एवं अभी हाल के दिनों में एक नाला नगर पालिका क्षेत्र में सीएनडीएस द्वारा निर्माण कराया नगर वासियों के लिए दोनों नाले निष्प्रयोज्य साबित हो रहे हैं कारण फ्लाई ओवर से लेकर पूरा नगर बरसात में जल मग्न हो जाता है जो उपसा द्वारा नाला निर्माण किया गया था वह जगह-जगह से नाले के ऊपर का कवर टूट चुका है जिसमें फंस कर आए दिन दो पहिया वाहन एवं राहगीर घायल हो रहे हैं बार अवगत कराया जा चुका है। जो सरकार की मंशा के विरुद्ध है. श्री शर्मा ने कहा कि अभी कुछ दिनों पूर्व कई व्यापारियों के दुकान में आग लग जाने के कारण लाखों का माल जलकर खाक हो गया जबकि सरकार ने विद्युत सुरक्षा विभाग इसलिए बनाया है कि समय-समय पर वाणिज्यिक एवं घरेलू प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जाए एवं जब नए कनेक्शन दिए जाएं तो विद्युत सुरक्षा के उपाय को भली भांति देखकर के ही कनेक्शन दिए जाएं। उन्होंने कहा कि जनपद सोनभद्र नीति आयोग के आकांक्षी जिलों में शामिल है जबकि इसका औद्योगिक क्षेत्र कुछ बड़े घरानों के हाथों में सिमट कर रह गया है लिहाजा एमएसएमई को धरातल पर लाने के लिए मूलभूत माल पकड़ने पर पेनल्टी भुगतान करने के बाद भी गाड़ी छोड़ने में विलंब किया जा रहा है जिससे व्यापारियों को काफी नुकसान भुगतना पड़ रहा है एक सवाल के जवाब में उपायुक्त उद्योग ने कहा कि एक साल के अंदर औद्योगिक क्षेत्र विकास करने का पूरा-पूरा प्रयास करूंगा। एवं जिन उद्यमियों को उद्योग लगाने में किसी भी प्रकार का कोई व्यतिक्रम हो तो वह सीधे हमसे संपर्क कर सकता है। बिजली विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग कि अधिकारियों की मौजूदगी ना होने के कारण उनके विभाग संबंधी समस्याओं पर चर्चा नहीं हो सकी बैठक में मुख्य रूप से उद्योग व्यापार मंडल के राजेश गुप्ता, रमेश जायसवाल, व्यापार संगठन से अमित अग्रवाल आदि उद्यमी मौजूद थे।

ट्रेक्टर पलटने से गाड़ी मालिक की दब कर हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/शक्तिनगर। बीना पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार दोपहर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक राजलाल अपना ट्रैक्टर कूड़े कचड़े में भाड़े पर लगाया

बाद आवासीय परिसर स्थित एक गैस गोदाम के समीप कूड़ा कचड़ा डंप के दौरान ट्रैक्टर पलटने से 35 वर्षीय वाहन मालिक चालक की हुई मौत । वहीं सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने किसी प्रकार ट्रैक्टर के नीचे दबे राजलाल बियार पुत्र मगन बियार निवासी बरवानी को बाहर निकला तब तक उसकी जान चली गई थी। स्थानीय लोगों की मदद से राजलाल के शव को एनटीपीसी संजीवनी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा कर था। जिसको वह वर्षो से स्वयं चलाता था। शुक्रवार को एक गैस गोदाम के समीप ट्रैक्टर पर लदा कूड़ा कचड़ा डंप करने गया था कि अन्यंत्रित होकर खाई में जा पलटी। जिस गाड़ी मालिक (चालक)की मौत हो गई। कूड़ा कचड़ा निस्तारण करने की जिम्मेदारी नंदगांव मध्य प्रदेश निवासी आरपी सिंह को मिला था। कूड़ा कचड़ा निस्तारण करने के लिए भाड़े पर ट्रैक्टर चलवाते थे।

न्यू कालोनी कि मेन रोड जो अपने दुर्दशा पर आंसु बहा रहा है, चेयरमैन कि कब पड़ेगी नज़र कब सुधरेगी न्यू कालोनी कि रोड़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। न्यू कालोनी में नेता से लेकर अधिकारी तक इयु कहले कि सामना तो बाइक चलाने वाले साकिल चलाने वाले और संवारी बैठाकर टोटो चलाने वाले के लिए समस्या

बड़े लोगों से लेकर छोटे लोग तक इस कालोनी में घर बना है। पर दुःख कि बात ए है कि न तो नेता न अधिकारी किसी अधिकारी कि सड़क कि खस्ता हाल दिखाई पड़ रहा। वही दूसरी तरफ न्यू कालोनी रावर्टशगज नगर पालिका में आने के बावजूद न तो चेयरमैन का ध्यान न ही इओ ध्यान दे रहे वार्ड मेम्बर तो ओट लेने के बाद गायब ही हो गये। सबसे बड़ी परेशानियों का हो रही। खराब सड़क होने के कारण आए दिन बाइक डिस्बैलेन्स हों कर गिर जातीं टोटो संवारी या समान ले जाते समय पलट जाता है। आखिर कब न्यू कालोनी का हाल सुधरेगा कब नगर पालिका चेयरमैन या बड़े नेताओं कि नज़र पड़ेगी। रोड़ खराब होने के कारण ए दिल दुर्घटना हो रही है जिसके चलते लोगों को चोट लग रही है साथ हीं लोगों का नुक़सान भी हो रहा है।

भाजपा में बढ़ते अपराध पर कब लगेगा अंकुश दे जवाब:शत्रुंजय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश मे बढ़ते अपराध ,किसानो की समस्याओं को लेकर इसको लेकर जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड की अगुवाई मे कोतवाली मे ज्ञापन सौपा गया ६ लेकिन अभी

रॉबट्र्सगंज के एक होटल मे पत्रकार वार्ता करते हुए जिला कॉग्रेस के प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा और जिला महासचिव घोरावल विधानसभा प्रभारी प्रवक्ता इनामुल हक अंसारी ने सयुंक्त रूप से किया। कॉग्रेस प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा ने कहा की बीजेपी सरकार मे जनपद मे अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है ट चोरी की घटनाएं बढ़ रही है, महिलाओं पर अपराध लगातार बढ़ रहा है ट किसानो को खाद नहीं मिल पा रहा है. किसान बेहाल है, आय दिन प्रदर्शन करना पड़ता है ६ विगत दिनों फ़ेसबुक पर प्रियंका गांधी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वालों को रॉबट्र्सगंज पुलिस द्वारा अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है ट तक गिरफ्तारी न होने कॉग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित है, जल्द ही गिरफ्तारी नहीं हुई तो कॉग्रेस कार्यकर्ता सडकों पर संघर्ष करेंगे। जिला महासचिव घोरावल विधानसभा प्रभारी प्रवक्ता इमामुल हक अंसारी ने कहा की बीजेपी सरकार मे किसानो, नौजवानों दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के साथ अन्याय हो रहा है.अपराध लगातार बढ़ रहे है आमजन मे भय का महौल व्याप्त है, सडके गढ्ढे मे तब्दील है ट नगर मे जल जमाव की समस्याओ से नगरवासी परेशान है ६ किसानो की समस्याएं लगतार बढ़ रहीं है, खाद न मिलने से फसल नुकसान हो रहा है ट किसानो नौजवानों दलितों पिछड़ों की मजबूत आवाज कॉग्रेस है।

हॉकी के खिलाड़ी मेजर ध्यान चन्द की मना जन्म दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी के महान सोनभद्र से बढ़ौली चौराहा से स्टेडियम परिसर में समाप्त किया गया। एवं मुख्य मंत्री द्वारा लाइव प्रसारण एवं शपथ ग्रहण किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन में ध्यान चन्द जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुये खिलाडियों को लगन एवं उत्साह के साथ खेलने के लिए प्रेरित

जादूगर स्व0 मेजर ध्यान चन्द के जन्म दिवस पर जिला खेल कार्यालय सोनभद्र द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय 14 वर्षीय हाकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ खेल विभाग सोनभद्र द्वारा शुक्रवार को मेजर ध्यान चन्द जी का श्रद्धांजली, फिट इण्डिया शपथ, और 60 मिनट के टीम खेल एवं मनोरजक खेल, एवं सण्डे ऑन साइकिल नागरिकों की अखिल भारतीय भागीदारी किया गया। प्रतियोगिता शुभारम्भ राधवेन्द्र सिंह रिजनल मैनेजर, एस0बी0आई, सारंग सिंह, सीनियर असिसटेन्ट, संतोष कुमार मौर्य प्रधानाचार्या आर्दश इण्टर कालेज सोनभद्र द्वारा हॉकी के महान जादूगर स्व0मेजर ध्यान चन्द के चित्र पर माल्यार्पण एवं दिप प्रज्जवलीत किया गया। साईकिल रेस आर्दश इण्टर कालेज जिसमें लगभग 200 खिलाड़ियों ने लाइव प्रसार में शपथ ग्रहण किया। राष्ट्रीय खेल दिवस पर हाकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें कुल आठ टीमों ने प्रतिभाग किया जिसमें अपने-अपने पुल में खेलते हुये फाइनल मुकाबला स्वदीप एकादश बनाम चुर्क के मध्य खेला गया, जिसमें स्वदीप एकादश ने चुर्क को 0-2 से पहले हाफ में 10 वें मिनट में संजय केशरी, दुसरे हाफ कि 05 वे मिनट में धीरज सोनी द्वारा विजय गोल दाग कर विजेता हुयी। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण भूतर्पूव सांसद राम शकल मुख्य अतिथि द्वारा हाकी के विजेता एवं उपविजोता खिलाडियो को एवं हैमरबाल की बालिका उपविजेता, पुरूष के विजेता को खिलाडियों पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। किये। इस दौरान बलराम कृष्ण यादव तीरंदाजी खेल सचिव सोनभद्र, मनोज , भानु भाषकर, वाहिद, नूरूददीन खान, जगदम्बा प्रसाद, कुलदीप, मनोज जी, मुर्शीद जमाल, मैच में निर्णायक की भूमिका में दीपक गुप्ता, हैमरबाल सचिव सोनभद्र, आकाश दीप, धीरज, शिवाकान्त, अभिषेक आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस मौके पर सुनील यादव एथलेटिक्स कोच, सुबाष कुमार वालीबाल कोच, विनोद यादव भारउतोलन कोच, विश्वास, सुमंगला तीरंदाजी कोच, जगदीश रावत, किशन, आदि खेल प्रेमी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि एवं खिलाडियों का धन्यवाद ज्ञापित क्रीड़ा अधिकारी समीम अहमद द्वारा किया गया।

शिक्षामित्रों ने समर कैम्प के बकाया मानदेय को लेकर सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।आज दिनांक 29 अगस्त कर गर्मी के अवकाश में विद्यालई बच्चों को समर कैंप के जरिए शैक्षिक और कमेटी ब्लॉक कमिटी और कार्यरत शिक्षामित्र अनुदेशक के साथ जिला

2025 को जिला में हुए समर कैंप के मानदेय के लिएआदर्श समायोजित शिक्षक/शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष वकील अहमद व अध्यक्षता में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से की गई मुलाकात। आपको अवगत कराते चले विगत माह मई - जून 2025 में प्रदेश की एक महत्वाकांक्षी योजना 'समर कैंप' के लिए प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी ने शिक्षामित्र और अनुदेशकों का चयन मानसिक योग्यता को बढ़ाने के लिए एक बहुउद्देशीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया जिसको शिक्षामित्र और अनुदेशकों ने मिलकर सफलता पूर्वक सकुशल संपन्न किया और देश के सामने नई छाप छोड़ी। उक्त कार्यक्रम में कार्य में लगे साथियों के लिए सरकार ने प्रोत्साहन भी रखा था जिसका भुगतान अभी तक नहीं हो पाया जिसके लिए जिला अध्यक्ष वकील अहमद के साथ जिला कोर शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया गया और मानदेय जल्द से जल्द भुगतान का आग्रह किया गया।कार्यक्रम में जिला प्रवक्ता अभय मालवीय, जिला मंत्री अनुज सिंह ,जिला संगठन मंत्री अशोक कुमार,ब्लॉक अध्यक्ष चोपन कमला प्रसाद,ब्लॉक उपाध्यक्ष घोरावल पयम्बर शाह,परमेश्वर ब्लाक कोषाध्यक्ष रॉबट्र्सगंज आदि लोग उपस्थित रहे।

मनुष्य के जीवन के लिए योग सबसे बड़ा वरदान:संकट मोचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज चूर्क सोनभद्र में चल रहे 11 दिवसीय निशुल्क मस्तिष्क को बिल्कुल तेज करना है और भूलने की बीमारी को दूर करना है। पतंजलि योगपीठ सोनभद्र जिला महामंत्री एवं सोशल इसके विषय में विस्तार से बताया गया तथा शिविर के समापन करते समय छात्रों के द्वारा ही भजन कराया गया। इंजीनियरिंग की

योग प्रशिक्षण शिविर का आज तीसरा दिन संपन्न हो गया और इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ बनाना और उनके मस्तिष्क को तेज करना आलस्य को दूर करना क्योंकि इंजीनियरिंग के छात्र आगे चलकर भारत के भविष्य होंगे और एक से एक मशीनों का निर्माण इन्हीं के हाथों होना है इसलिए उनके मीडिया प्रभारी युवा योगी संकट मोचन द्वारा लगातार योग प्राणायाम का अभ्यास कराया जा रहा है और आज शिविर के तीसरे दिन भ्रामरी प्राणायाम, कपालभाति प्राणायाम और सूक्ष्म व्यायाम सहित उनके दिनचर्या को ठीक करने के लिए ताकि समय से सोए, समय से उठे और समय से अपने पढ़ाई को पूरा कर सके छात्रा श्रद्धा के द्वारा तथा छात्र तरूश के द्वारा बहुत ही सुंदर भजन प्रस्तुत किया गया जिससे बच्चों के मन में जो भी भय हो उसे दूर किया जा सके तथा हास्य आसन, सिंह आसन और शांति पीठ के साथ कराया गया इस शिविर में लगभग 200 छात्र और लगभग 50 छात्राएं उपस्थिति रही।

आरसीबी पीड़ित परिवार को 25-25 लाख देगा,सोशल मीडिया पोस्ट में दी जानकारी, 4 जून को विक्ट्री परेड में हुई थी 11 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 4 जून की विक्ट्री परेड में जान गंवाने वाले सभी 11 लोगों के परिवार को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। आरसीबी की टीम इस साल पहली बार आईपीएल चैंपियन बनी। इसके बाद 4 जून को बेंगलुरु में विक्ट्री परेड रखी गई थी। इस परेड में भगदड़ मच जाने की वजह से 11 लोग मारे गए थे और 50 से ज्यादा घायल हो गए थे। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा - टीम मुश्किल समय में सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। यह मदद उनके जीवन को थोड़ा संबल देने के लिए की जा रही है। आरसीबी ने इंस्टा पोस्ट में लिखा- 'हमने आरसीबी परिवार के 11 सदस्यों को खो दिया। वे हमारा हिस्सा थे। हमारे शहर, हमारे समुदाय और हमारी टीम को बेमिसाल बनाने वाली चीजों का हिस्सा थे। उन परिवारों की मदद किसी भी रकम से नहीं हो सकती, लेकिन सम्मान के तौर पर हम 25-25 लाख की मदद करना चाहते हैं। यह आर्थिक रूप में एक मदद नहीं है, बल्कि एकता और देखभाल का एक वादा है। आरसीबीकेयर्स की भी शुरुआत हुई है, जो लंबे समय तक चलेगा और अपने फैंस के लिए कुछ अच्छा करने की कोशिश करेंगे।' 4 जून को बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर शाम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 खिताब जीतने की खुशी में विक्ट्री परेड निकाली गई थी। स्टेडियम में घुसने की कोशिश में कई लोगों ने दीवार फांदने की कोशिश की। एंट्री गेट पर हजारों की भीड़ मौजूद थी। सड़क पर लाखों लोग जमा थे। इस दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 50 लोग घायल हुए थे। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले सभी लोग 35 साल से कम उम्र के थे। सबसे छोटी पीड़िता 13 साल की दिव्यांशी थी। मरने वालों में तीन टीनएजर और छह युवा थे, जिनकी उम्र 20 से 30 साल के बीच थी। ये सभी लोग अपने दोस्तों के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाने आए थे। कुछ लोग बेंगलुरु से थे, तो कुछ दूसरे जिलों से आए थे। लेकिन भारी भीड़ और अव्यवस्था के कारण जश्न एक दुखद हादसे में बदल गया। हादसे में 11 लोगों की मौत हुई और 33 घायल हुए। मृतकों में दिव्यांशी (13), दोरेशा (32), भूमिक (20), सहाना (25), अक्षता (27), मनोज (33), श्रवण (20), देवी (29), शिवलिंगा (17), चिन्नैया (19) और प्रज्वल (20) शामिल हैं।बेंगलुरु हादसे के बाद विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा था- मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं। पूरी तरह से टूट गया हूं।' उन्होंने हार्टब्रेक का इमोजी भी बनाया।कर्नाटक सरकार की 17 जुलाई को रिपोर्ट सामने आई थी। रिपोर्ट में हादसे का जिम्मेदार आरसीबी को बताया गया था। इसमें कोहली का भी जिक्र था। कर्नाटक सरकार ने कहा कि आरसीबी ने चिन्नास्वामी में आयोजित विक्ट्री परेड के लिए सरकार से कोई अनुमति नहीं ली थी। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा कि आयोजन को अचानक रद्द करने से हिंसा भड़क सकती थी और शहर में कानून-व्यवस्था बिगड़ जाती।भगदड़ हादसे के बाद कर्नाटक सरकार ने फैसला लिया है कि बेंगलुरु में एक बड़ा स्टेडियम बनाया जाएगा। इसे 1650 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। इस स्टेडियम में एक साथ 80 हजार दर्शक मैच देख सकेंगे। यह दर्शक क्षमता के हिसाब से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जाएगा। नया स्टेडियम पहले से मौजूद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 39 रन से हरायाःट्राई सीरीज के पहले मैच में सलमान आगा की फिफ्टी, हरिस रउफ ने 4 विकेट लिए

शारजाह। ट्राई सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 39 रन से हरा दिया। एशिया कप 2025 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई के बीच यह टी-20 ट्राई सीरीज खेली जा रही है। शारजाह में पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत टीम ने पहले बल्लेबाजी करके 7 विकेट खोकर 182 रन बनाए। अफगानिस्तान से फरीद अहमद ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। शुक्रवार को राशिद खान की कप्तानी वाली अफगानिस्तान 19.5 ओवर में 143 रन पर ऑल-आउट हो गई। राशिद खान ने 16 बॉल पर 39 रन बनाए। पाकिस्तान से हरिस रउफ ने 4 विकेट चटकाए। पाकिस्तान अगला मैच मेजबान यूएई के खिलाफ शनिवार को खेलेगा। आगा ने 8वीं फिफ्टी लगाई। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। सलमान आगा ने टी20आई में 8वीं फिफ्टी लगाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। सलमान ने 36 गेंदों में 53 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मोहम्मद नवाज ने 11 गेंदों में 21 रन जोड़े। साहिबजादा फरहान ने 21 और फखर जमान ने 20 रन बनाए। आगा ने अब तक 21 टी20आई में 433 रन बनाए हैं।फरीद को 2 विकेट मिले अफगानिस्तान की ओर से फरीद अहमद ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 47 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। वहीं राशिद खान, मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान और अजमतुल्लाह उमरजाई ने एक-एक विकेट लिया। राशिद खान ने अफगानिस्तान के लिए 50वें टी20आई में 64 विकेट पूरे किए। राशिद खान की पारी काम नहीं आई अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर रहमुनुल्लाह गुरबाज ने शानदार बैटिंग की और 27 बॉल पर 38 रन बनाए। लोअर ऑर्डर में राशिद खान ने 16 गेंदों में 39 रन की तेज पारी खेली, लेकिन मैच नहीं जिता सके। उनकी पारी में 5 सिक्स शामिल थे। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। हरिस रउफ के 12वें ओवर में डबल-विकेट मेडेन ने मैच पलट दिया। उन्होंने 16 गेंदों में 5 विकेट चटकाए और विपक्षी टीम को बस 6 रन पर 5 विकेट गंवाने पर मजबूर कर दिया। राशिद खान की तेज बल्लेबाजी के बावजूद अफगानिस्तान वापसी नहीं कर पाया। हरिस रऊफ ने अपनी टी20आई करियर में पांचवीं बार 4 विकेट लिया। शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद नवाज और सुफियान मुकीम ने दो-दो विकेट लिए।

सात्विक-चिराग की जोड़ी वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में:मलेशियाई जोड़ी को 21-12, 21-19 से हराया; मेडल पक्का किया

पेरिस। पेरिस में चल रही बीडब्लूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय बैडमिंटन जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलेशिया की जोड़ी आरोन चिया और सोह वुई यिक को सीधे गेम में 21-12, 21-19 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने न केवल अपनी पेरिस ओलिंपिक 2024 क्वार्टर फाइनल हार का बदला लिया, बल्कि वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपना दूसरा मेडल भी सुनिश्चित कर लिया है। इससे पहले उन्होंने 2022 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उस समय उन्हें सेमीफाइनल में यही मलेशियाई जोड़ी हराकर फाइनल की दौड़ से बाहर कर चुकी थी। सत्विक-चिराग की इस जीत से भारत की 2011 से अब तक हर वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीतने की परंपरा भी कायम रही।वर्ल्ड रैंकिंग में 9वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की। पहले गेम में लंबी और फ्लैट रैलियों में अंक हासिल करते हुए उन्होंने 11-6 की बढ़त बना ली। मलेशियाई जोड़ी इस अंतर को पाटने में नाकाम रही और सात्विक-चिराग ने पहला गेम आसानी से 21-12 से जीत लिया। दूसरे गेम में मेलेशियाई सोह वुई यिक कई बार बैकहैंड पर नेट में फंसे दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और मलेशियाई जोड़ी को बैक कोर्ट में धकेल दिया। सोह वुई यिक कई बार बैकहैंड पर नेट में फंस गए, जिससे भारतीय जोड़ी को फायदा हुआ। मध्य-गेम अंतराल तक सात्विक और चिराग 17-11 से आगे थे। लेकिन इसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी की कोशिश की और फ्लैट शॉट्स और नेट के पास खेलकर स्कोर को 19-19 पर बराबर कर दिया। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने दबाव में शानदार खेल दिखाया और आखिरी के निर्णायक अंक जीतकर गेम 21-19 से अपने नाम किया। यह मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ उनकी 15 मुकाबलों में केवल चौथी जीत थी, जो उनकी इस उपलब्धि को और खास बनाती है।अब सात्विक और चिराग शनिवार को सेमीफाइनल में वर्ल्ड रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज चीन की जोड़ी ली यियु और बो यांग चेन से भिड़ेंगे।

थप्पड़ कांड के वीडियो पर भड़कीं श्रीसंत की पत्नीःबोलीं- मोदी-क्लार्क को शर्म आनी चाहिए, दोनों अब आगे बढ़ चुके हैं

जालंधर। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह और एस. श्रीसंत का थप्पड़ कांड 17 साल बाद फिर सुर्खियों में है। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने हरभजन सिंह का श्रीसंत को थप्पड़ मारते का वीडियो जारी किया। इस पर श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ललित मोदी और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क पर भड़कीं हैं। उन्होंने कहा कि ललित मोदी और माइकल क्लार्क को शर्मा आनी चाहिए। 2008 की घटना को घसीटकर पुराने जख्म कुरेद रहे हैं।बता दें कि आईपीएल के पहले सीजन में मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के बीच खेले गए मैच में यह घटना घटी थी। ललित मोदी ने पहली बार यह फुटेज ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट में दिखाया है। ललित मोदी ने कहा कि यह वीडियो पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुआ था। श्रीसंत की पत्नी की 3 अहम बातें- ललित मोदी और क्लार्क को शर्म आनी चाहिएः श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पर लिखा- ललित मोदी और माइकल क्लार्क को शर्म आनी चाहिए। आप लोग इंसान नहीं हैं। सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए 2008 की घटना को घसीट रहे हैं। श्रीसंत और हरभजन आगे बढ़ चुके हैंः भुवनेश्वरी ने आगे लिखा- श्रीसंत और हरभजन पहले ही इससे आगे बढ़ चुके हैं। दोनों ही अब स्कूल गोइंग बच्चों के पिता हैं। इसके बाद भी आप लोग उन्हें पुराने दिनों में घसीट रहे हैं। यह बेहद ही घिनौना, निर्दयी और अमानवीय है।' हमारे परिवार के लिए दुखदः भुवनेश्वरी ने लिखा, श्रीसंत ने कठिन चुनौतियों का सामना करने के बाद अपनी लाइफ को फिर से बनाया है। उनकी पत्नी और बच्चों की मां होने के नाते 18 साल बाद

इस घटना को देखना हमारी फैमिली के लिए दुखद है। परिवार को उस सदमे को फिर से जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो सालों पहले दफन हो चुका है। ऐसा इसलिए किया जा रहा ताकी आप लोग नजरों में बने रहें। ललित मोदी की 3 अहम बातें- 1. सिक्योरिटी कैमरे में घटना कैद हुईः माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट में ललित मोदी ने कहा कि 'मैं तुम्हें बताता हूं कि क्या हुआ था। मैं तुम्हें वीडियो दूंगा। मैंने उसे संभाल कर रखा है। मैच खत्म हो चुका था, कैमरे बंद कर दिए गए थे। लेकिन मेरे एक सिक्योरिटी कैमरे ने घटना को कैद कर लिया था। उसमें साफ दिख रहा है कि भज्जी (हरभजन) ने श्रीसंत को बैक-हैंड यानी थप्पड़ मारा। 2. हरभजन ने कहा- इधर आओ और उल्टा थप्पड़ जड़ दियाः मोदी ने आगे कहा- भज्जी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं। यह मैदान पर हुआ था और मैं वहां था। जैसे ही टीमों ने खेलना बंद किया। खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिला रहे थे और हाई-फाइव कर रहे थे। जब बात श्रीसंत और भज्जी की आई तो हरभजन ने उनसे कहा, 'इधर आओ' और उन्हें एक उल्टा थप्पड़ जड़ा।3. आजीवन प्रतिबंध लगाना चाहते थे अधिकारीः ललित मोदी ने कहा कि मैंने हरभजन को आजीवन प्रतिबंध से बचाया। अधिकारियों का एक वर्ग यह भी चाहता था कि अनुभवी ऑफ स्पिनर को आजीवन प्रतिबंध लगा दिया जाए। मैंने उन दोनों को बैठाया और मीटिंग में ही भज्जी को सजा देनी पड़ी। मैंने उसे आठ मैचों के लिए सजा दी। 25 अप्रैल, 2008 को मोहाली में पंजाब के हाथों मुंबई इंडियंस की 66 रनों से हार के बाद हरभजन-श्रीसंत थप्पड़ कांड हुआ था। मैच के बाद दोनों टीमें हाथ मिला रही थीं। बाद में पता चला कि मुंबई इंडियंस के कप्तान हरभजन उस करारी हार के बाद श्रीसंत के हंसने और टिप्पणी करने से भड़क गए थे। श्रीसंत ने कहा था, 'हार्ड लक।' हरभजन मांग चुके माफी- हरभजन इसे लेकर कई बार सार्वजनिक मंचों पर माफी मांग चुके हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि यह जिंदगी का सबसे बुरा किस्सा है, जिसे मैं हटाना चाहता हूं।

भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के लिए बोली लगाई,गुजरात के खेल मंत्री ने लंदन में दावेदारी पेश की, बोले- हमारा विजन वसुधैव कुटुंबकम

लंदन। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए आधिकारिक तौर पर बोली लगा दी है। शुक्रवार को लंदन में गुजरात सरकार के खेल मंत्री हर्ष सांघवी ने इस प्रस्ताव को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के सामने पेश किया। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद को मेजबान शहर के रूप में चुना गया है। खास बात यह है कि 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की 100वीं एनिवर्सरी भी होगी। इस मौके पर हर्ष सांघवी ने कहा- '29 अगस्त को यह बोली इसलिए पेश की गई क्योंकि इस दिन भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। यह दिन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के रूप में पूरे देश में खेलों के सम्मान में मनाया जाता है।' उन्होंने आगे कहा, अहमदाबाद कॉम्प्लेक्स सिटी मॉडल पर गेम्स की मेजबानी करेगा, यानी खेल स्थलों, ट्रेनिंग सुविधाओं और खिलाड़ियों की रहने की व्यवस्था सब एक-दूसरे के नजदीक होगी। इससे खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों को बेहतर अनुभव मिलेगा। भारत का विजन वसुधैव कुटुंबकम हर्ष सांघवी बोले-'भारत का विजन वसुधैव कुटुंबकम और अतिथि देवो भव है। खेलों के आयोजन में पर्यावरण संरक्षण,और मानवाधिकारों की सुरक्षा पर खास जोर रहेगा।'इस मौके पर ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने कहा, यह बोली भारत को एक प्रमुख खेल राष्ट्र के रूप बनाने में मजबूत करेगी। उनके मुताबिक, बड़े खेल आयोजन केवल खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे के विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए भी अहम भूमिका निभाते हैं। 27 अगस्त को कैबिनट ने मंजूरी दी थी बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने कॉमनवेल्थ बिडिंग प्रपोजल को मंजूरी दे दी थी। इससे पहले 14 अगस्त को

भारतीय ओलिंपिक एसोसिएशन ने इसे मंजूरी दी थी। नवंबर के आखिर में यह फैसला होगा कि भारत को मेजबानी मिलेगी या नहीं। कनाडा के रेस से बाहर हो जाने के बाद भारत के लिए 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पिछले महीने कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के डायरेक्टर डैरेन हॉल की लीडरशिप में एक टीम ने अहमदाबाद में मौजूद आयोजन स्थलों का दौरा किया था। साथ ही गुजरात सरकार के अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की थी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट वह संस्था है जो किसी देश को मेजबानी देने का फैसला करती है। कॉमनवेल्थ गेम्स बिडिंग प्रोसेस के लिए 5 स्टेप्स- गेम्स होस्ट करने को इच्छुक शहर (देश) को कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के पास आवेदन करना होता है। इसके बाद उस देश की नेशनल ओलिंपिक कमेटी प्रस्ताव को मंजूरी देती है। देश की सरकार से मंजूरी मिलने के बाद फाइनल बिडिंग करनी होती है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अधिकारी होस्ट सिटी और वेन्यू का इंस्पेक्शन करते हैं। सभी दावेदार शहरों का इंस्पेक्शन करने के बाद कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की जनरल असेंबली फाइनल होस्ट का नाम घोषित करती है। भारत 2036 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है। पिछले साल नवंबर में भारत ने इसकी मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की थी। 2032 तक के ओलिंपिक मेजबान तय हो चुके हैं। 2032 की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर को दी गई है। जबकि 2028 के ओलिंपिक लॉस एंजिलिस में होने हैं।भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। इनमें 1951 और 1982 के एशियन गेम्स और 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स शामिल हैं। 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स हुए थे।ओलिंपियन सिफ्ट कौर समरा ने कजाकिस्तान के शिमकेंट में खेले जा रहे 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में मंगलवार को विमेंस 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पि) में गोल्ड मेडल जीता। सिफ्ट कौर का एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में यह पहला गोल्ड है।

अल्काराज़ चोट के बावजूद यूएस ओपन के चौथे दौर में:इटली के लुसियानो डार्डेरी को हराया,जोकोविच, रायबाकिना, सबालेंका भी जीते

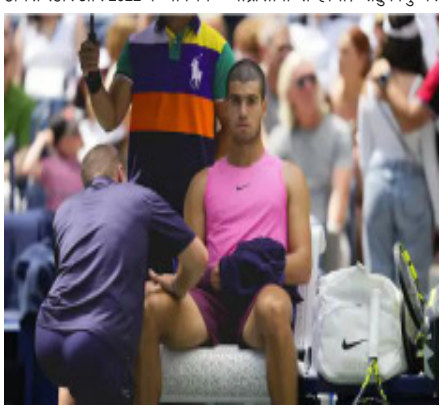

नयी दिल्ली। न्यूयॉर्क में चल रहे यूएस ओपन 2025 के तीसरे राउंड के दौरान शुक्रवार को स्पेनिश टेनिस स्टार और 2022 के चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ चौथे राउंड में पहुंच गए हैं। हालांकि तीसरे राउंड में उन्होंने इटली के लुसियानो डार्डेरी के खिलाफ मेडिकल टाइम आउट लेना पड़ा। वहीं, विमेंस सिंगल्स में एलेना रायबाकिना ने शुक्रवार रात 2025 यूएस ओपन के तीसरे राउंड में एमा राडुकानु को 6-1, 6-2 से 62 मिनट में हराकर चौथे राउंड में प्रवेश किया।दूसरे सेट में अल्काराज को लेना पड़ा मेडिकल टाइम आउट अल्काराज ने तीसरे राउंड में इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 6-4, 6-0 से हराया। उन्हें अपने मैच के दौरान इटली के लुसियानो डार्डेरी के खिलाफ मेडिकल टाइम आउट लिया। उस समय वह 6-2, 5-4 से आगे थे और उनकी दाहिनी जांघ में हल्की परेशानी दिख रही थी। फिजियोथेरेपिस्ट ने कोर्ट पर आकर कुछ मिनट तक उनकी जांघ का इलाज किया। इलाज के बाद अल्काराज पूरी तरह फिट नजर आए और उन्होंने तुरंत दूसरा सेट 6-4 से जीत लिया। इसके बाद तीसरे सेट में उन्होंने डार्डेरी को कोई मौका नहीं दिया और 6-0 से सेट जीतकर मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ अल्काराज चौथे राउंड में पहुंच गए, जहां उनका सामना फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच से होगा। रिंडरकनेच ने तीसरे राउंड में अपने हमवतन बेंजामिन बोंजी को हराया था।अल्काराज का चोट के साथ पुराना नाता यह पहली बार नहीं है जब अल्काराज को अपनी दाहिनी जांघ की चोट ने परेशान किया हो। 2025 की शुरुआत में भी उन्हें इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा था। इस साल मई में वह चोट से उबरकर कोर्ट पर लौटे थे। इससे पहले, वह बार्सिलोना ओपन के फाइनल में दाहिनी जांघ की चोट से जूझ रहे थे, जिसके कारण उन्हें मैड्रिड ओपन से भी हटना पड़ा था। इसके अलावा, अल्काराज को बाईं टांग में भी चोट की समस्या है। मैच के बाद अल्काराज ने अपनी चोट के बारे में बात करते हुए कहा, 'मुझे अपनी दाहिने घुटने में हल्की परेशानी महसूस हुई, जिससे मैं थोड़ा चिंतित था। इसलिए मैंने सावधानी के तौर पर फिजियो को बुलाया। पांच-छह पॉइंट्स के बाद यह परेशानी गायब हो गई। यह कोई गंभीर समस्या नहीं थी और मैं इसके बाद पूरी तरह ठीक था।' यूएस ओपन में अब तक अजेय 22 साल के अल्काराज इस यूएस ओपन में अब तक एक भी सेट नहीं हारे हैं। उन्होंने पहले राउंड में राइली ओपेल्का को और दूसरे राउंड में मट्टिया बेलुची को हराया था। अगर वह इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं, तो क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका के बेन शेल्टन से हो सकता है। इसके अलावा, अगर सब कुछ ठीक रहा तो फाइनल में उनकी भिड़ंत वर्ल्ड नंबर एक जैनिक सिनर से हो सकती है। रायबाकिना पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचीं 2022 की विंबलडन चैंपियन रायबाकिना अपने करियर में पहली बार यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंची हैं। इस तरह उन्होंने चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में दूसरे सप्ताह तक पहुंचने का रिकॉर्ड पूरा कर लिया है। अब चौथे राउंड में उनका मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी या मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगा। राडुकानु पर लगातार दूसरी आसान जीत राइबाकिना और राडुकानु के बीच यह दूसरा मुकाबला था। इससे पहले दोनों 2022 के सिडनी टूर्नामेंट में आमने-सामने हुई थीं, जहां रायबाकिना ने 6-0, 6-1 से आसान जीत दर्ज की थी। दोनों मैच मिलाकर रायबाकिना ने राडुकानु से सिर्फ चार गेम ही गंवाए हैं। जोकोविच चौथे दौर में पहुंचे सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार को तीसरे दौर में ब्रिटेन के कैमरन

नोरी को 6-4, 6-7(4), 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। मैच के दौरान उन्हें पीठ दर्द की समस्या ने परेशान किया। पहला सेट जोकोविच ने 6-4 से जीता। हालांकि, सेट के अंत में पीठ की समस्या के कारण उन्हें कोर्ट से बाहर इलाज कराना पड़ा। दूसरे सेट में भी दर्द का असर दिखा, जिसके कारण उनकी पहली सर्विस की गति थोड़ी कम हुई। फिर भी, जोकोविच ने मुकाबले में वापसी की। दूसरा सेट टाईब्रेक में गया, जिसमें नोरी ने 2 अंकों की कमी को पूरा करते हुए सेट जीत लिया। तीसरे सेट में नोरी ने एक शानदार ड्रॉप शॉट के साथ जोकोविच को चुनौती दी, लेकिन जोकोविच ने लगातार तीन गेम जीतकर 6-2 से सेट अपने नाम किया। इस दौरान, आर्थर ऐश स्टेडियम में दर्शकों के शोर करने पर जोकोविच ने उन्हें चुप रहने के लिए कहा। चौथे सेट में जोकोविच ने पूरी तरह से नियंत्रण हासिल कर लिया और नोरी के खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड बनाए रखते हुए 6-3 से सेट जीता। अब चौथे दौर में उनका मुकाबला जर्मनी के यान-लेनार्ड स्ट्रफ से होगा। वर्ल्ड नंबर-1 अर्यना सबालेंका ने कनाडा की लैला फर्नांडिस को 6-3, 7-6(2) से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 2021 यूएस ओपन सेमीफाइनल में फर्नांडिस से मिली हार का बदला लेते हुए सबालेंका ने शानदार खेल दिखाया। लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में पहले गेम में तीन ब्रेक पॉइंट्स का सामना करने के बाद सबालेंका ने अपनी सर्विस बचाई और चौथे गेम में फर्नांडिस की सर्विस तोड़कर पहला सेट 6-3 से जीता। दूसरा सेट टाईब्रेक तक गया, जिसमें सबालेंका ने 6-1 की बढ़त बनाई और फोरहैंड विनर के साथ जीत हासिल की।बारबोरा क्रेजसिकोवा ने उलटफेर कर एमा नवारो को हराया में चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजसिकोवा ने अमेरिका की एमा नवारो को 4-6, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। नवारो ने पहले सेट में 5-1 की बढ़त बनाई थी, लेकिन क्रेजसिकोवा ने दो सर्विस ब्रेक के साथ स्कोर 5-4 किया। हालांकि, नवारो ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया। दूसरे सेट में क्रेजसिकोवा ने 4-0 की बढ़त बनाई, लेकिन नवारो ने वापसी करते हुए स्कोर 5-4 किया। फिर भी, क्रेजसिकोवा ने सेट 6-4 से जीत लिया। तीसरे सेट में नवारो ने 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन क्रेजसिकोवा ने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीते और 5-3 की बढ़त बनाई। नवारो ने स्कोर 5-4 किया, लेकिन क्रेजसिकोवा ने अंतिम गेम जीतकर मैच अपने नाम किया।

अनीत पड्डा के दादाजी को है अल्जाइमरःएक्ट्रेस ने बताया- उन्हें मेरा नाम याद नहीं, लेकिन 'सैयारा' में देखकर मुझे पहचान लिया

मुंबई। हाल ही रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'सैयारा' को दर्शकों

ने काफी पसंद किया है। इसमें अनीत पड्डा ने एक युवती का किरदार निभाया है, जो अल्जाइमर जैसी बीमारी से जूझ रही है। बता दें कि यह रोल अनीत के लिए निजी तौर पर भी जुड़ा हुआ था। हाल ही में अनीत ने द हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए इंटरव्यू में बताया कि उनके दादाजी अल्जाइमर से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे दादू को अल्जाइमर है, इसलिए ये फिल्म मेरे लिए और भी इमोशनल थी। अब वो ज्यादातर बातें याद नहीं रखते, लेकिन इस कहानी पर मुझे भरोसा था क्योंकि ये कहती है कि दिमाग भूल जाता है, पर दिल कभी नहीं भूलता। ये बात मेरे दादू के लिए सच है।' अनीत ने आगे बताया, 'उन्हें मेरा नाम याद नहीं रहता। बहुत कुछ याद नहीं है, लेकिन अब भी वो मुझे 'हीरापुत' या 'मक्खन' कहकर बुलाते हैं। जब मैं उनसे मिलने गई तो वो मुझे पहचानते नहीं थे, लेकिन मेरे पास बैठने में उन्हें अच्छा लगा। फिल्म रिलीज होने पर वो थिएटर नहीं जा पाए क्योंकि बिस्तर पर हैं। मेरे माता-पिता ने उन्हें वीडियो दिखाए। तब वो मुस्कुराए और बोले 'हीरापुत' और 'मक्खन की मूवी'। ये मेरे लिए खास पल था।'अनीत ने इंटरव्यू में फिल्म में अपने को-स्टार अहान पांडे के साथ शुरुआती मुलाकात की याद भी शेयर की। उन्होंने कहा,'जब मैं सैयारा के लिए

ऑडिशन दे रही थी, अहान मुझे माउंट मैरी चर्च ले गए। हमने मोमबत्ती जलाई। मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने क्या विश किया। उन्होंने कहा, तुम बताओ। एक हफ्ते बाद जब मुझे कॉल आया कि रोल मिल गया है, तब अहान ने बताया कि उन्होंने यही विश किया था।' अनीत पड्डा ने साइन की अपनी दूसरी फिल्म- बता दें कि अनीत पड्डा जल्द एक और लव स्टोरी में नजर आएंगी। 'बैंड बाजा बारात' फेम डायरेक्टर मनीष शर्मा अनीत को लेकर एक रोमांटिक फिल्म बनाने वाले हैं। अनीत की इस फिल्म को यशराज फिल्म्स ही प्रोड्यूस करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अनीत को उनकी नई फिल्म के लिए कास्ट कर लिया गया है।मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम भी शुरू हो चुका है। अनीत को यह रोमांटिक फिल्म पंजाब पर आधारित होगी। वहीं, फिल्म की शूटिंग साल 2026 की पहली छमाही में शुरू की जाएगी। फिल्म में अनीत के अपोजिट कौन होगा, इसे लेकर कोई जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

एग फ्रीज कराना चाहती थीं सोहा अली खान,35 की उम्र में डॉक्टर के पास पहुंची तो जवाब मिला- इसके लिए बूढ़ी हो चुकी हो

मुंबई। एक्ट्रेस सोहा अली खान ने 'ऑल अबाउट हर' पॉडकास्ट शुरू

किया है। इसमें वो सरोगेसी, अडॉप्शन और बच्चे के जन्म से जुड़े मेडिकल, इमोशनल और सोशल पहलुओं पर चर्चा करती हैं। हाल ही में उनके पॉडकास्ट में एक्ट्रेस सनी लियोनी और फर्टिलिटी एक्सपर्ट डॉ. किरण कोएल्हो शामिल हुईं। इस पॉडकास्ट का एपिसोड शुक्रवार को रिलीज हुआ। पॉडकास्ट के दौरान सोहा ने बताया कि जब वह 35 साल की उम्र में एग यानी अंडाणु फ्रीज करवाने डॉक्टर के पास गईं तो उन्हें कहा गया कि इसके लिए वह बूढ़ी हो चुकी हैं।उन्होंने कहा, 'मुझे याद है, मैं 35 साल की थी जब मैं गायनोकोलॉजिस्ट के पास गई और कहा कि मैं अपने अंडाणु फ्रीज करवाना चाहती हूं। डॉक्टर ने कहा - ये तो पहले से ही बहुत बूढ़े हो चुके हैं। मैंने कहा - सब लोग कहते हैं मैं बहुत जवान दिखती हूं। उन्होंने जवाब दिया - तुम्हारी ओवरी तुम्हारा चेहरा नहीं देख सकती। ये बात लंबे समय तक मेरे दिमाग में रही। ' सोहा ने आगे कहा कि अब कई भरोसेमंद फर्टिलिटी टेस्ट मौजूद हैं। इनमें एंटी-मुलरियन हार्मोन और पीरियड्स के दूसरे दिन किया जाने वाला एंट्रल फॉलिकल काउंट शामिल है। दोनों को मिलाकर आने वाले सालों में फर्टिलिटी का अनुमान लगाया जा सकता है। उनके अनुसार, आदर्श उम्र 28 से 34 साल के बीच है। सनी बोलीं - प्रेग्नेंसी नहीं चाहती थी, चुनी सरोगेसी- बातचीत में सनी लियोनी ने भी अपने अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि वह खुद प्रेग्नेंसी नहीं चाहती थीं और इस कारण सरोगेसी को चुना। सोहा की शादी कुणाल खेमू से हुई है। उनकी एक बेटी इनाया है। वहीं, सनी और उनके पति डेनियल वेबर के तीन बच्चे हैं। दोनों ने बेटी निशा को गोद लिया है, जबकि बेटे अशर और नोआ सरोगेसी से हुए।वर्कफ्रंट की बात करें तो सोहा हाल ही में अमेजन प्राइम फिल्म 'छोरी 2' में नजर आई थीं। 2022 में वह जी5 की सीरीज 'कौन बनेगी शिखरवती' और प्राइम वीडियो की सीरीज 'हश हश' में भी दिखीं। बता दें कि सोहा ने 2004 में फिल्म 'दिल मांगे मोर' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उन्हें 'रंग दे बसंती' (2006) और 'आहिस्ता-आहिस्ता' (2006) जैसी फिल्मों से पहचान मिली। 2017 में उन्होंने 'द पेरिल्स ऑफ बीइंग मॉडरेटली फेमस' किताब लिखी, जिसे 2018 में क्रॉसवर्ड बुक अवॉर्ड मिला।

अपर्णा सेन के दीवाने थे कमल हासन,एक्ट्रेस को इंप्रेस करने के लिए सीखी बंगाली भाषा, 'हे राम' में रानी मुखर्जी का नाम भी अपर्णा रखा

मुंबई। एक्ट्रेस श्रुति हासन ने हालिया एक इंटरव्यू में पिता कमल

हासन से जुड़ी दिलचस्प बातें शेयर की हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता कमल हासन बंगाली एक्ट्रेस और फिल्ममेकर अपर्णा सेन के दीवाने थे। एक्टर ने उन्हें इंप्रेस करने के लिए बंगाली सीखी थी। साथ ही, फिल्म 'हे ??राम' में उन्होंने अपर्णा के नाम पर रानी मुखर्जी के किरदार का नाम रखा था। दरअसल, फिल्म 'कुली' के एक प्रमोशनल इंटरव्यू के लिए श्रुति को स्टार सत्यराज के साथ पहुंचीं थीं। इंटरव्यू के दौरान सत्यराज श्रुति की तारीफ करते हुए कहते हैं कि वो अपने पिता की तरह कई भाषाएं जानती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कमल हासन ने एक बंगाली फिल्म की थी और इसके लिए उन्होंने बंगाली भाषा भी सीखी थी। सत्यराज की इस बात पर श्रुति हंसने लगती हैं। फिर बताती हैं कि उनके पिता ने फिल्म के लिए नहीं बल्कि अपर्णा सेन के लिए बंगाली सीखी थी। एक्ट्रेस ने कहा-'क्या आप जानते हैं कि उन्होंने बंगाली क्यों सीखी? क्योंकि उस समय वह अपर्णा सेन से प्यार करते थे और उन्हें इंप्रेस करने के लिए उन्होंने बंगाली सीखी थी। उन्होंने फिल्मों के लिए नहीं सीखा।' श्रुति की करियर की बात करें तो उन्होंने साल 1999 में अपना करियर शुरू किया था। वह साउथ इंडियन सिनेमा की एक मानी जाती एक्ट्रेस हैं। श्रुति ने 'डी-डे', 'रमैया वस्तावैया', 'गब्बर इज बैक', 'वेलकम बैक' और 'रॉकी हैंडसम' जैसी फिल्मों में काम किया है।

बॉयफ्रेंड पजेसिव था तो ब्रेकअप कर लिया,अब वो अमीर हो गया है तो उसे मिस कर रही हूं, क्या मेरी फीलिंग सही है?

नयी दिल्ली। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुतुल, क्लिनिकल

साइकोलॉजिस्ट, नोएडा से सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मैं 28 साल की हूं और करीब दो साल तक एक रिलेशनशिप में थी। मैंने उस रिश्ते को निभाने की बहुत कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। मेरा बॉयफ्रेंड मुझसे बहुत प्यार करता था, लेकिन वो जरूरत से ज्यादा ही प्रोटेक्टिव और शक्की मिजाज था। वो हर वक्त यह जानना चाहता था कि मैं कहां हूं, किससे बात कर रही हूं, क्या पहन रही हूं, यहां तक कि सोशल मीडिया पर किससे कनेक्ट हूं। धीरे-धीरे मुझे लगने लगा कि ये प्यार नहीं, एक तरह का कंट्रोल है। कई बार हमने इस बात को लेकर बहस की, पर कुछ सुधरा नहीं। आखिरकार मैंने ब्रेकअप कर लिया। ब्रेकअप के बाद भी मैं पूरी तरह उबर नहीं पाई। मैं कभी-कभी उसकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल देखती थी। कुछ दिन पहले मुझे पता चला कि उसने लैंड रोवर गाड़ी खरीदी है। पता चला कि उसकी फैमिली के जो खेत थे, वहां से हाईवे निकला है। पहले वो एक साधारण मिडिल क्लास लड़का था, लेकिन अब रातोंरात करोड़पति हो गया है। उसके इंस्टाग्राम से पता चलता है कि वो काफी एलीट लाइफ स्टाइल इंजॉय कर रहा है। आए दिन क्लबिंग और पार्टी चल रही है। ये जानकर मन में अजीब-सा अफसोस हुआ। अब जब वो इतना अमीर हो गया है तो मैं उसकी जिंदगी में नहीं हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा है- क्या मैं उसे सच में मिस कर रही हूं या फिर उसके अमीर होने की खबर से मुझे दुख हो रहा है। क्या ये फीलिंग्स नॉर्मल हैं? क्या मुझे उससे माफी मांगकर दोबारा कोशिश करनी चाहिए? जवाबः सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप अकेली नहीं हैं। आपने जो महसूस किया और जो सवाल पूछे, वो बहुत से लोग अपने दिल में सोचते हैं। 28 साल की उम्र में आपने दो साल तक एक रिश्ते को दिल से निभाया। ये आसान नहीं होता, खासकर तब जब वो रिश्ता आपको खुशी की जगह घुटन देने लगे। आपने हिम्मत दिखाई और खुद को उस टॉक्सिक रिलेशनशिप से बाहर निकाला, ये बहुत बड़ी बात है। अपने लिए ऐसा फैसला लेना हर किसी के

बस की बात नहीं होती। अब जो आप महसूस कर रही हैं- वो बेचैनी, वो अफसोस ये सब इंसान होने की निशानी है। जब हम किसी के साथ इतना वक्त बिताते हैं और फिर वो हमारी जिंदगी से चला जाता है, तो उसकी लाइफ के अपडेट्स सुनकर मन में उथल-पुथल होना आम बात है। खासकर तब, जब वो इंसान अचानक बहुत आगे बढ़ जाता है। क्या आप सच में उसे मिस कर रही हैं या कुछ और हैं? हम सब अच्छी जिंदगी के सपने देखते हैं। ऐसी जिंदगी, जिसमें पैसों की टेंशन न हो, शानदार गाड़ियां हों, छुट्टियों की प्लानिंग हो और हर दिन खुशी से बीत रहा हो। जब आप अपने एक्स की नई जिंदगी देखती हैं, उसकी लैंड रोवर, उसकी पार्टियां, तो शायद आपको लगता है कि काश, मैं भी उसकी जिंदगी का हिस्सा होती। ये सोचना बिल्कुल नॉर्मल है। लेकिन सवाल ये है कि क्या आप उसे सचमुच मिस कर रही हैं या उसकी नई चमक-दमक को? अगर वो आज भी वही मिडिल-क्लास लड़का होता, जिसके पास न गाड़ी होती, न पैसे होते तो क्या तब भी आप उसे इतना याद करतीं? शायद नहीं। इसलिए हो सकता है कि आपका दुख उसके जाने का कम और उसकी नई जिंदगी का हिस्सा न होने का ज्यादा हो। आपने जो बताया, उससे यह स्पष्ट है कि वो रिश्ता आपके लिए सही नहीं था। प्यार में इंसान को अपने पार्टनर की फिक्र होती है, पर किसी को हर कदम पर कंट्रोल करना प्यार नहीं होता। वो हर वक्त आप पर नजर रखता था, कहां जा रही हो, क्या पहन रही हो, किससे बात कर रही हो। ये सब सुनने में प्यार जैसा लग सकता है, पर असल में ये घुटन की तरह महसूस होता है। अगर वो आपके लिए सही इंसान होता तो आपको उससे दूर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। आप खुश रहतीं, अपने फैसले ले पातीं और वो आप पर भरोसा करता। लेकिन ऐसा नहीं था। इसलिए ब्रेकअप आपकी गलती नहीं थी, बल्कि ये आपका सबसे समझदारी भरा कदम था। अब उसकी अमीरी को देखकर ये मत सोचिए कि आपने गलत किया। पैसा जिंदगी को आसान बना सकता है, पर रिश्ते को नहीं। अगर वो पहले कंट्रोलिंग था, तो पैसा आने से उसका स्वभाव नहीं बदलेगा।आपका दो साल का रिलेशनशिप था। इतने वक्त में बहुत सारी यादें बन जाती हैं। ऐसे में उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है, ये जानने का मन करना स्वाभाविक है। इंस्टाग्राम पर उसकी नई-नई तस्वीरें देखना आपके लिए एक आदत बन गई होगी। लेकिन सच ये है कि सोशल मीडिया पर लोग सिर्फ अपनी अच्छी चीजें दिखाते हैं। उसकी गाड़ी, उसकी पार्टियां- ये सब उसकी जिंदगी का एक छोटा हिस्सा है। उसकी असली जिंदगी में क्या चल रहा है, ये कोई नहीं जानता। हो सकता है कि वो अंदर से खुश भी न हो। अगर उसकी प्रोफाइल बार-बार देखकर परेशान हो रही हैं तो ये एक संकेत है कि आपको इससे बाहर निकलने की जरूरत है। इस बेचैनी से कैसे निकलें? अब बात करते हैं कि आप इस उलझन से बाहर कैसे आ सकती हैं। कुछ आसान तरीके हैं- सोशल मीडिया से ब्रेक लें- उसकी प्रोफाइल देखना बंद करें। अगर मुश्किल हो तो उसे म्यूट या ब्लॉक कर दें। ये आपके लिए बेहतर है, न कि उसे सजा देने के लिए। पुरानी बातें याद करें- एक कागज पर लिखें कि आपने ब्रेकअप क्यों किया। जब भी उसका ख्याल मन में आए तो इस कागज के टुकड़े को पढ़ें। ये आपको सच्चाई याद दिलाता रहेगा। खुद को वक्त दें- दोस्तों के साथ समय बिताएं, कोई नया शौक शुरू करें। जो वक्त आप उसकी प्रोफाइल देखने में लगाती हैं, उसे किसी ऐसे काम में लगाएं, जिससे आपको खुशी मिले। किसी से बात करें- अगर मन बहुत भारी हो तो किसी दोस्त या काउंसलर से बात करें। अपने एहसासों को बाहर निकालना जरूरी है।आपने पूछा कि क्या आपको उससे माफी मांगकर रिश्ता फिर से जोड़ना चाहिए। इस सवाल पर मेरा जवाब है, बिल्कुल नहीं। आपने कुछ गलत नहीं किया है। एक टॉक्सिक रिलेशनशिप से निकलना आपका हक था। अगर आप माफी मांगेंगी, तो इससे आपके मन में अपने लिए ही इज्जत कम हो जाएगी। पैसा किसी इंसान के दिल या बर्ताव को नहीं बदलता। वो पहले जैसा था, शायद आज भी वैसा ही होगा। खुद को ये मत समझाइए कि शायद अब सब ठीक हो जाएगा। आपकी जिंदगी उससे बेहतर चीजों की हकदार है।आप जो महसूस कर रही हैं, वो गलत नहीं है। लेकिन ये समझना जरूरी है कि ये एहसास कहां से आ रहे हैं। आपने अपने लिए सही फैसला लिया था और आज भी आपको उस पर टिके रहना चाहिए। वक्त के साथ ये दुख कम हो जाएगा। आप अपनी जिंदगी में आगे बढ़ेंगी, इसमें आपके हिस्से न सिर्फ खुशी होगी, बल्कि सुकून भी होगा। सही रिश्ता वो नहीं जो आपको गाड़ी या पैसा दे, बल्कि जिसमें आपको आजादी और प्यार मिले। खुद पर भरोसा रखें। आप बहुत अच्छा कर रही हैं।

प्यार में किसी भी हद तक जा सकते हैं शांतनुःअवनीत ने बताया इसकी कोई सीमा नहीं होती, बिग बॉस को बताया लड़ाई झगड़े वाला शो

मुंबई। अवनीत कौर और शांतनु माहेश्वरी स्टारर फिल्म 'लव इन वियतनाम' ने जल्द ही

सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शांतनु ने बताया कि वे प्यार में किसी भी हद तक जा सकते हैं। वहीं, अवनीत कौर ने कहा कि प्रेम सीमाओं से परे है। बिग बॉस की चर्चा छिड़ने पर अवनीत ने कहा कि ऐसे शो में कभी जाना पसंद नहीं करेंगी। क्योंकि वहां सिर्फ लड़ाई झगड़ा होता है। शांतनु ने बताया कि बिग बॉस उनके व्यक्तित्व से मैच नहीं खाता है। सवाल- फिल्म में दिखाया गया है कि कपल प्यार में किसी भी हद तक जा सकते हैं, आप दोनों रियल लाइफ में प्यार में किस हद तक जा सकते हैं? जवाब/शांतनु - मैं प्यार में इस हद तक जा सकता हूं। जिसकी आप कल्पना नहीं कर सकती हैं, लेकिन उसमें पागलपन नजर नहीं आएगा। जैसा कि लोग आम तौर पर अपनी नस को काटकर प्यार का इजहार करते हैं। अवनीत- मैं तो यही कह सकती हूं कि जहां तक सोच सकते हैं, वहां तक चले जाएंगे। मेरे लिए प्यार की कोई सीमा नहीं है। मेरी सोच यह है कि प्रेम सीमाओं से परे है। सवाल- 'लव इन वियतनाम' में किस तरह की लव स्टोरी दिखाई गई है ? जवाब/अवनीत - अभी फिल्म के बारे में तो ज्यादा कुछ नहीं बता सकती। जिस तरह से आपने ट्रेलर में देखा है। उससे पता चलता है कि यह बहुत प्यारी रोमांटिक स्टोरी है। मैं इतना जरूर बता सकती हूं कि ऐसी प्रेम कहानी पहले कभी नहीं देखी होगी। शांतनु- अभी फिल्म के बारे में कुछ भी बताना थोड़ी जल्दबाजी होगी। इतना जरूर बता सकता हूं कि इस फिल्म की कहानी तुर्की उपन्यास मैडोना इन ए फर कोट से ली गई है। यह तुर्की का बहुत ही फेमस नॉवेल है, जिसे साबाहातीन अली ने लिखा है।सवाल- फिल्म 'लव इन वियतनाम' क्यों रखा गया? जवाब/शांतनु - फिल्मों में हम गोवा की लव स्टोरी देखकर बोर हो चुके हैं। प्रोड्यूसर की सोच यह थी कि अपनी लव स्टोरी इंटरनेशनल लेवल तक ले जाएं। फिल्म में वियतनाम को सिर्फ विजुअल के तौर पर नहीं बल्कि कहानी से जोड़ कर दिखाया गया है। इस लिए फिल्म का नाम 'लव इन वियतनाम' रखा गया। वियतनाम में अब तक कोई भी इंडियन फिल्म नहीं बनी हैं। वियतनाम एक बहुत ही रोमांटिक और सुंदर जगह है, जहां शूट करना हर किसी का सपना होगा। सवाल- वियतनाम में शूटिंग करना कितना मुश्किल था? क्या भाषा की दिक्कत हुई? जवाब/शांतनु - भाषा को लेकर दिक्कत जरूर हुई, खासकर जब सेट पर टेक्नीशियंस से वार्तालाप करनी पड़ती थी । पर हमने मैनेज कर लिया। अवनीत - भाषा की दीवारें होती हैं, लेकिन इमोशंस सब के एक जैसे होते हैं। और हा, प्यार को एक्सप्रेस करने के लिए किसी भाषा की जरूरत नहीं होती।सवाल- आपने करियर की शुरुआत चाइल्ड एक्टर से की। चाइल्ड एक्टर से लेकर लीडिंग एक्ट्रेस बनने तक का सफर कैसा रहा? जवाब/अवनीत - बहुत उतार-चढ़ाव रहा। मैं भगवान का शुक्रिया करती हूं कि मुझे दर्शकों से इतना प्यार और अच्छा काम करने का मौका मिला। अब इस प्रोजेक्ट के लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं। मुझे लगता है ये भी दर्शकों को पसंद आएगा।सवाल- एक स्टेज डांसर से शुरू हुआ सफर अब फिल्म के लीड हीरो तक पहुंच गया है, पीछे मुड़कर देखते हैं तो कैसा लगता है? जवाब/शांतनु - मैंने टीवी से शुरुआत की, फिर कुछ शो किए। फिर अवॉर्ड शोज में डांस किया, झलक दिखला जा शो में बतौर कंटेस्टेंट के रूप में परफॉर्म किया । एक छोटे पर्दे ये यहां तक आना मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं था । बहुत ही खूबसूरत जर्नी रही मेरे लिए । मैं सच में आपको बता रहा हूं कि ये कुछ भी मैंने ना कभी सोचा था या प्लान किया था। बस अपने आप चीजे मेरे साथ होती गई। अब मैं इस फिल्म के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हूं। सवाल- अच्छा ये तो हुई आपको फिल्म की बात, अब जरा बताएं कि क्या आप बिग बॉस फॉलो कर रहे हैं? और यदि हां तो किसे स्पोर्ट कर रहे हैं ? जवाब/शांतनु - वैसे तो हम अपने शूटिंग शेड्यूल कि वजह से बिग बॉस फॉलो नहीं कर पा रहे हैं,लेकिन बिग बॉस 19 में हमारी फिल्म को दो बेहतरीन गाना देने वाले अमाल मलिक भी गए हुए हैं। जिन्हें हम फूल स्पोर्ट कर रहे हैं। उम्मीद है कि वो ट्रॉफी लेकर आएंगे। सवाल - आप टीवी के कई शो में बतौर कंटेस्टेंट भाग ले चूके हैं तो क्या आने वाले टाइम में हम आपको बिग बॉस जैसे शो में भी देख सकते हैं ? जवाब/शांतनु- जी हां आपने बिल्कुल ठीक कहा कि मैं कई शो में भाग ले चूका हूं लेकिन बिग बॉस जैसा शो मैं नहीं कर सकता हूं। वो व्यक्तित्व से मैच नहीं खाता है। पर हां अगर भविष्य में कुछ ऐसा आया तो शायद मैं हा बोल दूं। सवाल- अवनीत आप बताएं कि इस बार बिग बॉस की ट्रॉफी कौन जीत रहा हैं? जवाब/अवनीत - फिलहाल तो मुझे इस बात का बिल्कुल आइडिया नहीं है कि इस बार बिग बॉस में कौन-कौन गया है। लेकिन हां मुझे ये मालूम है कि मेरी पुरानी दोस्त अशनूर बिग बॉस घर में हैं। मैं बाहर से उसे ही स्पोर्ट कर रही हूं। और उम्मीद करती हूं जो भी कंटेस्टेंट अपना 100 परसेंट देगा वो शो जीतेे। सवाल - लेकिन क्या आपको अगर कभी बिग बॉस का ऑफर आता है तो आप हां कहेंगे या ना? जवाब/अवनीत- बिग बॉस का कॉन्सेप्ट ही लड़ाई झगड़े से जुड़ा हुआ हैं। और मुझे लड़ाई झगड़ा करना बिल्कुल भी पसंद नहीं हैं। तो मुझे नहीं लगता मैं कभी भी ऐसे किसी शो के लिए हां कहूंगी। क्योंकि मुझे ऐसे शो पर जाने में बहुत डर लगता है।

'द बंगाल फाइल्स' में मिथुन चक्रवर्ती के बेटे-बहू नजर आएंगे,एक्टर बोले- नमाशी में दिखती है मेरी झलक, सलाह दी सिर्फ डायरेक्टर की सुनना

मुंबई। वेटरन एक्टर मिथुन चक्रवर्ती इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर इस फिल्म में एक बार फिर दमदार भूमिका में नजर आएंगे, वहीं फिल्म में उनकी बहू और बेटे नमाशी भी बहुत ही खास किरदार में हैं। मिथुन चक्रवर्ती ने बहू मदालसा और बेटे नमाशी के किरदार के बारे में भी बात

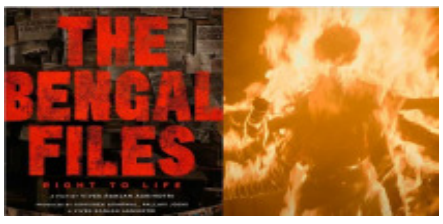

की। एक्टर ने बताया कि बहू मदालसा फिल्म में बहुत ही खास किरदार निभा रही हैं। बेटे नमाशी को सीख दी कि सिर्फ डायरेक्टर की सुनना। इसके अलावा मिथुन दा ने कुछ और दिलचस्प बातें शेयर कीं।जब मिथुन चक्रवर्ती से पूछा गया कि 'द बंगाल फाइल्स' में बहू और बेटे ने भी काम किया है। सेट पर किस तरह का माहौल था? इस सवाल के जवाब में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा- 'बहुत ही अच्छा माहौल था। मेरी बड़ी बहू मदालसा फिल्म में बहुत ही खास किरदार निभा रही हैं। उन्होंने बड़ी खूबसूरती से अपने किरदार को अदा किया है। नमाशी का इस फिल्म में नेगेटिव किरदार है। हालांकि, वे दूसरा किरदार निभाना चाहते थे, लेकिन मैंने उसे नेगेटिव किरदार निभाने का सुझाव दिया। फिल्म में उसने गुलाम का किरदार बहुत ही बेहतरीन तरीके से निभाया है। जब आप फिल्म देखेंगे तो समझ में आएगा कि क्या कहना चाह रहा हूं' नमाशी चक्रवर्ती ने राज कुमार संतोषी के बाद लोगों का कहना है कि नमाशी में यंग मिथुन का लुक नजर आता है।इस बारे में जब मिथुन दा से सवाल किया गया तो उन्होंने हंसते हुए कहा- 'थोड़ी झलक तो दिखती हैनमाशी चक्रवर्ती की डेब्यू फिल्म 'बैड बॉय' में मिथुन चक्रवर्ती 'जनाबे अली' गाने में नजर आए थे। 'द बंगाल फाइल्स' में पिता-पुत्र की काफी दमदार भूमिका है। जब मिथुन दा से पूछा गया कि क्या उन्होंने नमाशी को एक्टिंग के लिए कोई टिप्स दी है? मिथुन दा ने कहा-'मैं टिप्स नहीं देता, सिर्फ यही कहता हूं कि डायरेक्टर की सुनो। डायरेक्टर जो बोलते हैं, उसकी कॉपी करो। फिर अपने किरदार में घुसने के बाद यह भूल जाओ कि तुम नमाशी चक्रवर्ती हो। अभी तुम गुलाम हो और गुलाम का किरदार निभाओ। इसी तरह मैं खुद अपने किरदार की तैयारी करता हूं। यही बात मैंने नमाशी को बताई' बता दें कि मिथुन चक्रवर्ती की विवेक अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा मिथुन दा देशभक्ति से लबरेज फैमिली ड्रामा फिल्म 'फौजी' में प्रभास और 'जेलर 2' में रजनीकांत के साथ नजर आएंगे।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.)
से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।